राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 59 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, सोमवार ,30 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर

फिट इंडिया मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया

135 करोड़ भारतीयों के लिए लॉन्च किया गया फिट इंडिया मोबाइल ऐप भारत का सबसे व्यापक फिटनेस मोबाइल ऐप है: श्री अनुराग ठाकुर

- यह ऐप निःशुल्क है लेकिन हमारी फिटनेस के लिए बहुमूल्य सिद्ध होगाः अनुराग ठाकुर
- फिट इंडिया ऐप न्यू इंडिया को फिट इंडिया बनाने में मदद करेगाः निसिथ प्रमाणिक
- मंत्रियों ने भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह, पहलवान संग्राम सिंह, खेल पत्रकार अयाज मेमन और पायलट कैप्टन एनी दिव्या के साथ वर्चुअल माध्यम से बातचीत की
- फिट इंडिया ऐप एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध है और यह निःशुल्क है
- ठाकुर ने लोगों से फिट इंडिया मूवमेंट जैसे अभियानों में जनभागीदारी के माध्यम से आजादी का अमृत महोत्सव को सफल बनाने की अपील की

आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, फिट इंडिया मूवमेंट की दूसरी वर्षगांठ मनाने के क्रम में केन्द्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली में फिट इंडिया मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में युवा कार्य एवं खेल राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रमाणिक भी शामिल हुए। इस अवसर पर खेल सचिव श्री रवि मित्तल और युवा कार्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा भी उपस्थित थीं। फिट इंडिया ऐप शुभारंभ कार्यक्रम से पहले श्री अनुराग ठाकुर ने स्टेडियम में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री निसिथ प्रमाणिक ने भी सम्मान जताया।

मंत्रियों ने भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह, पहलवान संग्राम सिंह, पत्रकार अयाज मेमन, पायलट कैप्टन एनी दिव्या, एक स्कूली छात्र और एक गृहिणी के साथ वर्चुअल रूप में बातचीत की। गृहिणी ने लॉन्च के बाद फिट इंडिया ऐप का उपयोग करके भी दिखाया।

फिट इंडिया ऐप एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध है और यह निःशुल्क है। इस बात को ध्यान में रखते हुए ऐप विकसित किया गया है कि यह साधारण स्मार्टफोन पर भी काम करे।

फिट इंडिया मूवमेंट की दूसरी वर्षगांठ के साथ-साथ राष्ट्रीय खेल दिवस पर सभी को बधाई देते हुए, मंत्री ने कहा, ÷फिट इंडिया मोबाइल ऐप प्रत्येक भारतीय को एक मोबाइल के सहारे फिटनेस स्तर की जांच करने करने की सुविधा देता है। इस ऐप में फिटनेस स्कोर, एनिमेटेड वीडियो, गतिविधि ट्रैकर्स और व्यक्तिगत विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने वाली 'मेरी योजना' जैसी कुछ अनूठी विशेषताएं हैं।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷ पिछले साल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न आयु-वर्ग के अनुकूल, फिटनेस प्रोटोकॉल लॉन्च किए थे। ये प्रोटोकॉल डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रमाणित हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किये गए हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों के लिए फिटनेस का मंत्र भी दिया है - फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज। उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 29 अगस्त 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया मूवमेंट शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य फिटनेस को प्रत्येक भारतीय के जीवन का अभिन्न अंग बनाना था। आज यह जन आंदोलन बन गया है! मैं नागरिकों से अपील करता हूं कि फिट इंडिया मूवमेंट में जनभागीदारी के माध्यम से आजादी का अमृत महोत्सव को सफल बनाएं। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, एक स्वस्थ, फिट भारत वह नया भारत है, जिसकी हम अपने नागरिकों के लिए कल्पना करते हैं! फिट इंडिया मोबाइल ऐप 135 करोड़ भारतीयों के लिए लॉन्च किया गया भारत का सबसे व्यापक फिटनेस ऐप है।

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि यदि हम चाहते हैं कि हमारे युवा राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दें तो उनकी फिटनेस को सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने सभी से सोशल मीडिया के माध्यम से ऐप को लोकप्रिय बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ऐप निःशुल्क है, लेकिन हमारी फिटनेस के लिए बहुमूल्य सिद्ध होगा। निसिथ प्रमाणिक ने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट को जन आंदोलन बनाने में देशवासियों का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया ऐप, न्यू इंडिया को फिट इंडिया बनाने और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने में मददगार साबित होगा। आगे श्री प्रमाणिक ने कहा कि खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर फिट इंडिया के लिए बेहतरीन रोल मॉडल हैं और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

वर्चुअल संवाद के दौरान भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने ऐप की सराहना करते हुए कहा कि इसमें दी गई विभिन्न सुविधाओं का उपयोग अत्यंत आसानी से किया जा सकता है और इसके साथ ही स्वास्थ्य मानकों की निगरानी करने में भी यह काफी उपयोगी है। कैप्टन एनी दिव्या, जो एक पायलट हैं, ने इस ऐप की खासियत की चर्चा करते हुए बताया कि इसकी मदद से उनके लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम के दौरान पूरे दिन जल के सेवन और अपनी नींद पर करीबी नजर रखना काफी आसान हो गया है। उन्होंने बदले हुए तरीके से दंड-बैठक भी करके दिखाई जिससे शरीर के ऊपरी हिस्से की ताकत को बनाए रखने में काफी मदद मिलती है। यह विशेष व्यायाम इस ऐप पर उपलब्ध है और हर कोई ऐप पर इससे जुड़ा अपना स्कोर देख सकता है। श्री अनुराग ठाकुर और श्री निसिथ प्रमाणिक ने शरीर में समुचित स्थिरता और संतुलन बनाए रखने के लिए पहलवान संग्राम सिंह के साथ-साथ वृक्षासन किया। पत्रकार अयाज मेमन ने बुजुर्गों के लिए फिटनेस के विशेष महत्व पर प्रकाश डाला और फिट रहने के लिए 'चेयर स्ट्रेच' से जुड़ी पूरी प्रक्रिया बाकायदा करके दिखाई। आठवीं कक्षा की छात्रा श्रुति तोमर ने पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस के विशेष महत्व के बारे में बताया, जबकि गृहिणी श्यामली शर्मा ने यह बाकायदा करके दिखाया कि हर दिन घर के व्यस्त कामों के दौरान फिट रहने में यह ऐप किस तरह से काफी मददगार है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अगस्त 2019 को फिट इंडिया मूवमेंट लॉन्च किया था। इस अभियान के संबंध मे प्रधानमंत्री का विज़न था - भारत को एक फिट और स्वस्थ राष्ट्र बनाना। मुख्य संदेश था - फिट रहना आसान है, यह मजेदार और मुफ्त है तथा इसका अभ्यास कहीं भी किया जा सकता है। एक साल बाद, फिट इंडिया मूवमेंट की पहली वर्षगांठ के अवसर पर, प्रधानमंत्री ने %तीन आयु समूहों (1) 5-18 वर्ष (2) 18-65 वर्ष और (3) 65+ वर्ष% के लिए आयु उपयुक्त फिटनेस प्रोटोकॉल का शुभारंभ किया, जिसे एक विशेषज्ञ समिति ने विकसित किया है और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी इसकी अनुशंसा की है। प्रधानमंत्री ने देश की जनता को एक मंत्र भी दिया है- फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज।

फिट इंडिया ऐप की विशेषता है - प्रत्येक व्यक्ति, आयु के अनुसार फिटनेस परीक्षणों के एक सेट के आधार पर अपने फिटनेस स्कोर की जांच कर सकता है और इस बात की जानकारी प्राप्त कर सकता है कि योग प्रोटोकॉल सहित किन शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से वह अपने फिटनेस स्तर को बेहतर बना सकता है। फिटनेस का परीक्षण करने की प्रक्रिया को समझाने के लिए एनिमेटेड वीडियो भी दिए गए हैं। ये विशेषताएं, प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए आयु-उपयुक्त फिटनेस प्रोटोकॉल पर आधारित हैं।फिटनेस प्रोटोकॉल विशेषता विभिन्न आयु समूहों के उपयोगकर्ता को कई तरह के अभ्यास करने की अनुमति देती है, जो उन्हें सामान्य फिटनेस स्तर को बनाए रखने में मदद करती है। प्रोटोकॉल में ऐसे व्यायाम शामिल हैं, जिनका अभ्यास पूरी दुनिया में लोगों द्वारा किया जाता है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा इनकी विधिवत पुष्टि भी की गयी है।

अतिरिक्त विशेषताएं

हर किसी की उम्र, लिंग, वर्तमान जीवनशैली और शरीर संरचना के आधार पर अलग-अलग भोजन, जल की मात्रा और गतिविधि की आवश्यकता होती है। फिट इंडिया मोबाइल ऐप की मेरी योजना÷ सुविधा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी वर्तमान जीवन शैली को परिभाषित करने का अवसर देती है - शारीरिक गतिविधि पर बिताया गया समय, पानी की मात्रा, सोने की अवधि, वर्तमान वजन और लक्षित वजन - अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एक अनुकूलित भोजन योजना तथा जीवन शैली में परिवर्तन।

फिट इंडिया ऐप भारतीय खाद्य योजना, पानी के गिलास की संख्या और नींद के घंटों की सिफारिश करता है।

एप्लिकेशन की एक्टिविटी ट्रैकर सुविधा व्यक्तियों को उनके दैनिक गतिविधि स्तरों पर नज़र रखने में मदद करती है। वास्तविक समय पर स्टेप ट्रैकर व्यक्तियों को उनके दैनिक कदमों की जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है और उन्हें उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ऐप व्यक्तियों को दैनिक स्तर पर जल की मात्रा, कैलोरी मात्रा और नींद के घंटों की भी निगरानी रखने में मदद करता है।

याद रखने के लिए लोग प्रति घंटा के हिसाब से सेटिंग कर सकते हैं और समय के साथ फिटनेस स्कोर और दैनिक गतिविधि की अपनी प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। लोग अपनी फिटनेस और गतिविधि डेटा दूसरों के साथ साझा कर सकते हैं, ताकि फिटनेस और जीवन शैली में बदलाव के लिए अधिक लोगों को प्रेरित किया जा सके।

यह ऐप, व्यक्तियों, स्कूलों, समूहों और संगठनों को विभिन्न फिट इंडिया कार्यक्रमों, प्रमाणन कार्यक्रमों आदि में भाग लेने के अवसर भी प्रदान करता है। लोग इस प्लेटफार्म का उपयोग करके अपनी फिटनेस-सफलता की कहानियों को साझा कर सकते हैं।

बिना राम के अयोध्या की कल्पना नहीं की जा सकती: कोविंद

अयोध्या, एजेंसी। मयार्दा पुरूषोत्तम राम के बगैर अयोध्या की कल्पना को निराधार बताते हुये राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि रामायण एक विलक्षण ग्रन्थ है जिसको आत्मसात करके न सिर्फ मानवता का कल्याण हो सकता है बल्कि देश के विकास में मदद मिल सकती है।

श्री कोविंद ने रविवार को रामकथा पार्क में रामायण कान्क्लेव का शुभारंभ और अयोध्या में करोड़ों रुपये की पर्यटन विकास योजनाओं का लोकार्पण करने के बाद एक सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिना राम के अयोध्या की कल्पना नहीं की जा सकती। सबमें राम व सबके राम हैं। रामायण के एक दोहे सियाराम मय सब जग जानी, करहुं प्रनाम जोरि जुग पानी। का उल्लेख करते हुये राष्ट्रपति ने कहा संसार के कण-कण में भगवान राम का वास है। यह मर्म समझ लेने के बाद संसार में कलह और हिंसा का कोई स्थान नहीं होगा। रामायण ही ऐसा ग्रंथ है जिसमें ऐसे गुण मिलते हैं जिसका मानव जीवन में अमूल्य योगदान है।

धार्मिक नगरी के पुण्य सरयू सलिला के पावन तट पर उन्होंने कहा कि अयोध्या मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की पावन जन्मभूमि व लीलाभूमि है जो भविष्य में मानव सेवा का उत्कृष्ट केन्द्र बनेगी। साथ ही साथ

समाज में समरसता स्थापित किया और लोगों को मर्यादित रहना सिखाया। भगवान राम जैसा कोई नहीं। राष्ट्रपति ने रामायण सर्किट से जुड़े प्रकल्पों का उद्घाटन किया। रामायण सर्किट के माध्यम से लोग राम और रामायण के बारे में जानेंगे। रामायण का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार हो, लोग भलीभांति जानें। उन्होंने कहा कि जिसने रामायण को जान लिया वह भगवान राम को भी जान लेगा। रामायण एक विलक्षण ग्रन्थ है। इसमें भगवान राम निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि गोस्वामी देशों में रामलीलाओं का मंचन हो रहा है। भारत ही नहीं विश्व के अनेक देशों में भगवान राम के प्रति प्रेम व सम्मान झलकता है। अयोध्या और रामायण अनेक देशों के साथ हमारे सांस्कृतिक सम्बन्ध स्थापित करता है। राम ने जो आदर्श व चरित्र प्रस्तुत किये हैं यदि उसका थोड़ा सा अंश भी मानव अपने जीवन में उतार ले तो मानवता को एक दिशा दे सकता है।

उन्होंने रामायण में लिखी एक चौपाई को पढकर बताया कि अगर अपने जीवन में अमल किया जाय तो कम होता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अयोध्या राममय हो गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अयोध्या के आने पर बड़ी प्रसन्नता हो रही है। इससे पहले पद्मश्री से सम्मानित मालिनी अवस्थी ने रामचरित मानस की शबरी के जीवन के आदर्शों को गायन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर रेल विभाग के उपराज्य मंत्री, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिरामदास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास, पूर्व सांसद रामविलास दास वेदांती, जगद्गुरू वासुदेवाचार्य, जगद्गुरू स्वामी अनंताचार्य, जगद्गुरू राघवाचार्य, अधिकारी राजकुमार दास, नाका हनुमानगढ़ी महंत रामदास, उदासीन आश्रम के महंत भरत दास, महंत गणेशानंद दास, महंत भूषण दास, महंत जयराम दास, स्वामी छविराम दास, फैजाबाद के सांसद लल्लू सिंह, अयोध्या विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, गोसाईंगंज विधायक खब्बू

टोक्यो पैरालंपिक में विनोद कुमार ने भारत को दिलाया तीसरा मेडल

नई दिल्ली टोक्यो पैरालंपिक में एक ही दिन में भारत ने तीसरा मेडल अपने नाम कर लिया है। विनोद कुमार ने डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। विनोद 19.91 मीटर का थ्रो फेंककर एशियाई रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया है। विनोद सिल्वर के काफी करीब थे, लेकिन आखिरी क्षणों में वह चूक गए और उनको कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। इससे पहले निषाद कुमार ने हाई जंप में भारत को सिल्वर मेडल दिलाया, जबकि टेबल टेनिस में भाविना पटेल ने पैरालंपिक 2020 में देश का खाता सिल्वर से खोला।

विनोद शुरूआत से ही अच्छी लय में नजर आए और उन्होंने पहले प्रयास में 17.46 मीटर का थ्रो फेंका। इसके बाद दूसरी कोशिश में विनोद ने और भी बेहतरीन थ्रो किया के पांचवें थ्रो ने उनका ब्रॉन्ज मेडल पक्का किया। विनोद के आखिरी थ्रो ने 19.81 मीटर की दूरी तय की। 19.91 मीटर के थ्रो के साथ ही विनोद ने एशियाई रिकॉर्ड भी तोड़ा। फाइनल में खेले 8 खिलाड़ियों में से विनोद तीसरे स्थान पर रहे।

इससे पहले निषाद कुमार ने हाई जंप में 2.06 मीटर की ऊंची कूद लगाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। निषाद शुरूआत से ही बेहतरीन फॉर्म में नजर आए और उन्होंने पहले प्रयास में ही 2.02 मीटर की कूद को पार किया।

खबर एक नजर

पंजशीर घाटी में तालिबान के प्रवेश के दावे को मसूद समर्थकों ने बेबुनियाद बताया

पंजशीर, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान के कब्जे के बाद दहशत का माहौल है। अब तालिबान ने पंजशीर घाटी में घुसने का दावा किया है। तालिबान का कहना है कि उसके लड़ाके पंजशीर घाटी में घुस गए हैं। हालांकि पंजशीर के शेर कहे जाने वाले अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद के समर्थकों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि यहां घुसना उनके लिए नामुमकिन है। खबरों के मुताबिक तालिबान ने कहा कि उसकी सेना शनिवार को बिना किसी विरोध के पंजशीर में दाखिल हो गई है। इस दौरान विरोधी पक्ष से उनकी कोई लड़ाई नहीं हुई। अहमद मसूद के समर्थकों ने कहा कि पंजशीर में कोई लड़ाई नहीं हुई है। यहां तालिबान के प्रवेश की खबरें बेबुनियाद हैं। रेजिस्टेंस फोर्स के प्रतिनिधि ने साथ ही कहा कि तालिबान सपने कम देखा करे। दरअसल पंजशीर अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में एकमात्र ऐसा प्रांत है जिसने तालिबान के सामने हथियार नहीं डाले हैं। कई तालिबान विरोधी पंजशीर में एकत्र हो गए हैं। पंजशीर में जो इकट्ठा हुए हैं, उनमें अपदस्थ सरकार के उपराष्ट्रपति अमरूल्ला सालेह, जो कार्यवाहक राष्ट्रपति होने का दावा करते हैं, और नार्दन एलायंस मिलिशया के दिवंगत कमांडर के बेटे अहमद मसूद हैं। नार्दन एलायंस ने ही अमेरिका के साथ मिलकर 2001 तालिबान को सत्ता से हटाया था। नॉर्दर्न अलायंस की वजह से ही 1996 से 2001 के बीच तालिबान पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा नहीं कर पाया था।

अमेरिका में चुनाव से जुड़े संघीय कानूनों में बदलाव को लेकर मताधिकार कार्यकताओं ने की रैली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हजारों मताधिकार कार्यकताओं ने उन संघीय कानूनों में बदलाव करने की मांग को लेकर शनिवार को देशभर में रैलियां की, जिससे रिपब्लिक पार्टी के नियंत्रण वाले कुछ राज्यों में मतदान पाबंदियां हट सकती हैं। कई कार्यकर्ता मताधिकार नियमों पर लड़ाई को इस युग के नागरिक अधिकार से जोड़कर देखते हैं। अमेरिकी संसद में दो चुनावी विधेयकों के पारित होने में गतिरोध के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। इन विधेयकों को लेकर संसद में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकंस के बीच काफी मतभेद हैं। दर्जनों शहरों में हुई रैलियों का मकसद डेमोक्रेट्स पर दबाव बढ़ाना है कि वे प्रक्रियागत नियमों में बदलाव करें जिससे विपक्षी पार्टी के वोटों के बिना ही यह विधेयक पारित हो सके।
इन रैलियों का उद्देश्य राष्ट्रपति जो बाइडन को इस मुद्दे पर और पुरजोर वकालत करने के लिए मनाना भी है। ट्विटर पर पोस्ट एक वीडियो में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कांग्रेस से इस विधेयक को पारित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि टेक्सास, फ्लोरिडा तथा अन्य राज्यों में रिपब्लिकन पार्टी को खदेड़ने के लिए इन विधेयकों की आवश्यकता है।

बर्लिन में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, कोरोना संबंधी उपायों का किया विरोध

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी की सरकार द्वारा कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए किए गए उपायों के खिलाफ शनिवार को बर्लिन में हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। सरकार द्वारा किए जा रहे उपायों के समर्थन में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन कर सरकार द्वारा किए जा रहे उपायों का समर्थन किया। पुलिस ने प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि, एक अदालत ने शनिवार और रविवार को 500 लोगों के एक विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने के पक्ष में फैसला सुनाया है। प्रतिबंध के बावजूद शहर में आने वालों लोगों से निपटने के लिए शहर के चारों ओर 2,000 से अधिक पुलिस अधिकारी तैनात गए गए थे। इस बीच, विरोध प्रदर्शन के जवाब में आयोजित ह्यलव ट्रेनह्ल नामक एक प्रदर्शन में बड़ी भीड़ जुटी। ये प्रदर्शनकारी कोरोना वायरस के प्रसार को धीमा करने के लिए सरकारी प्रतिबंधों का समर्थन करते हैं। इसी तरह का विरोध प्रदर्शन अगस्त की शुरूआत में बर्लिन में भी आयोजित किया गया था, जो पुलिस के साथ संघर्ष के बाद समाप्त हुआ।

अफगानिस्तान में पड़ा पैसों का अकाल, बैंक बंद, एटीएम के बाहर लगी भूखे-प्यासे लोगों की लंबी लाइनें

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से जनजीवन बुरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग डर के मारे घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। व्यापार, उद्योग-धंधे कामकाज सब ठप हैं। बैंकों के हालात ऐसे हैं कि कर्मचारियों को पिछले छह माह से वेतन नहीं मिला है। आम लोग पैसों की किल्लत के कारण अपने घरों के सामान बेचने पर मजबूर हैं।

जो बैंक एटीएम खुले हैं, उनके बाहर लोगों की भारी भीड़ एकत्र है।

नकदी के संकट को देखते हुए बैंको ने एटीएम से कैश की निकासी सीमा को कम कर दिया है। अफगान नागरिक एटीएम से केवल 200 डॉलर तक की नकदी ही निकाल सकते हैं। आर्थिक तंगी को देखते हुए काबुल में सैकड़ों अफगानों ने बैंक के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। न्यू काबुल बैंक के सामने लोगों ने पैसों के लिए नारेबाजी की। इसमें बैंक के भी कई कर्मचारी शामिल हुए। इन कर्मचारियों का कहना है कि पिछले छह महीनों से इनको वेतन का भुगतान नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले बैंक फिर से खुलने के बावजूद कोई भी नकदी नहीं निकाल पाया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने चेतावनी दी कि अफगानिस्तान अब भुखमरी की चपेट में आ रहा है। अगर जल्द कुछ नहीं किया गया तो स्थिति और ज्यादा बिगड़ सकती है। काबुल एयरपोर्ट के बाहर डॉलर की चल रहा

तालिबान के खौफ से देश छोड़कर भागने के लिए काबुल एयरपोर्ट के बाहर अब भी हजारों की संख्या में अफगान नागरिक जुटे हैं। ऐसे में इन लोगों के खाने-पीने के लिए भी कोई व्यवस्था न होने से अफरा-तफरी का माहौल है। एयरपोर्ट के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहे किसी शख्स को अगर पानी की एक बोतल लेनी हो उसे 40 अमेरिकी डॉलर खर्च करने होंगे यानी करीब 3000 रुपए।

एक प्लेट चावल 100 डॉलर में मिल रहा है, यानी करीब 7500 रुपए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर का अनुमान है कि आने वाले महीनों में अगर स्थिति और बिगड़ती है, तो अफगानिस्तान से करीब पांच लाख लोग पलायन कर सकते हैं। यूएनएचसीआर का कहना है कि पिछले हफ्ते तालिबान द्वारा कब्जा किए जाने के बाद अफगानिस्तान की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है और उसमें तेजी से बदलाव आ सकती है। एजेंसी ने कहा कि करीब 22 लाख अफगान पहले से ही विदेशों में शरणार्थी के रूप में पंजीकृत हैं। उनमें से लगभग सभी लोग पाकिस्तान और ईरान में हैं।

एजेंसी ने कहा अफगानिस्तान भर में हिंसा में वृद्धि और निर्वाचित सरकार के हटाए जाने से नागरिकों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है तथा आगे और विस्थापन हो सकता है। एजेंसी का अनुमान है कि सिर्फ इस साल सशस्त्र संघर्ष के कारण अफगानिस्तान में 5,58,000 लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं।

वैक्सीन लगवा चुके सभी विदेशी यात्रियों को 30 अगस्त से पर्यटक वीजा जारी करेगा यूएई

अबू धाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात घूमने की योजना बना रहे भारतीयों के लिए अच्छी खबर है। यूएई ने घोषणा की है कि वह 30 अगस्त से वैक्सीन लगवा चुके सभी विदेशी यात्रियों को फिर से पर्यटक वीजा जारी करना शुरू करेगा। यूएई ने अपने पर्यटन क्षेत्र को फिर से सक्रिय करने के लिए यह कदम उठाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस फैसले में उन देशों को भी शामिल किया गया है, जहां से यूएई ने पहले प्रवेश पर रोक लगा दी थी। नियमों के मुताबिक यूएई में प्रवेश करते समय विजिटर्स को एक कोरोना टेस्ट कराना होगा। वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुके पर्यटक आईसीए प्लेटफॉर्म या अल होस्न ऐप के माध्यम से अपने वैक्सिनेशन सर्टिफिकेट को भी पंजीकृत कर सकते हैं।

वैक्सिनेशन सर्टिफिकेट रजिस्टर करने के बाद ही यात्री वैक्सीन लगवा चुके लोगों को दी जाने वाली छूटों का लाभ ले सकेंगे। यूएई का लक्ष्य पब्लिक हेल्थ और अलग-अलग क्षेत्रों के बीच संतुलन कायम करने का है। यह कदम इस रणनीति के अनुसार है और स्थाई सुधार प्राप्त करने और आर्थिक क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए किए जा रहे देश के प्रयासों का समर्थन करेगा। टूरिस्ट वीजा 30 या 90 दिनों के लिए दिया जाता है।

यह उन लोगों को जारी किया जाता है जो यूएई में आने पर वीजा आन अरावल के पात्र नहीं होते। यूएई ने मंगलवार को भारतीयों के लिए वीजा-ऑन-अराइवल सर्विस को अस्थाई रूप निलंबित कर दिया था।

अंतरिक्ष में पूरा हुआ नार्दर्न लाइट्स का मौसम, थॉमा प्रेस्के का वीडियो देख लोग बोले यह किसी जादू से कम नहीं

लंदन, एजेंसी। क्या आपने अंतरिक्ष में रंगों को बदलते देखा है? अगर नहीं, तो आपको फ्रांस के अंतरिक्ष यात्री थॉमा पेस्के का बनाया टाइम-लैप्स वीडियो देखना चाहिए। धरती का चक्कर काट रहे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से थॉमा ने साउदर्न लाइट्स या औरा आस्ट्रेलिस की झलक अपने कैमरे में कैद की है, जिसे देखकर लोग सांसें थामने को मजबूर हो गए हैं। यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर करते हुए बताया कि साउदर्न लाइट्स का मौसम अब खत्म हो रहा है और इस मौसम के खत्म होने से पहले थॉमा ने ढेर सारी तस्वीरें लेकर रख ली हैं। उन्होंने इसकी खूबसूरत नजारे का टाइमलैप्स वीडियो भी बनाया है और अपने सोशल मीडिया चैनल्स पर शेयर किया है। इसमें धरती के ऊपर वायुमंडल अपने रंग बदलता दिख रहा है।

थॉमा ने लिखा है कि यहां नजर रखी जा रही है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणपश्चिम और अंटार्कटिका के बीच में अब ज्यादा कुछ देखने को नहीं मिल रहा है, लेकिन चिंता की बात नहीं है, क्योंकि मेरे पास अभी शेयर करने को काफी कुछ है। उन्होंने लिखा, यह देखने में कितना सुंदर लगता है जब धरती से रोशनी टकराती है जब सोलर ऐरे दिखने लगते हैं।

सूरज पर होने वाले विस्फोट से निकले पार्टिकल्स जब धरती की मैग्नेटिक फील्ड और ऊपरी वायुमंडल से टकराते हैं, जो उनसे कई रंगों की रोशनी निकलती हैं। नार्दर्न लाइट्स या औरा बोरिलिस और साउदर्न लाइट्स या औरा आस्ट्रेलिस आसमान में किसी लेजर लाइट शो जैसी लगती हैं। धरती के दक्षिण और उत्तर ध्रुवों से कई बार ऐसा नजारा दिखाई देता है, जो प्रकृति के जादू से कम नहीं लगता।

मैक्सिका में धीमी शरणार्थी प्रक्रिया के विरोध में पलायन करते हुए दक्षिणी इलाके के लोग।

सरकार गठन में जितनी देरी, उतना अफगानिस्तान में बढ़ेगा अनिश्चितता का माहौल: एक्सपर्ट व्यू

पूरी तरह से अनिश्चितता में डूबा हुआ है अफगानिस्तान

काबुल, एजेंसी। तालिबान की सरकार को लेकर पूरी विश्व बिरादरी में चिंता का माहौल है। लिहाजा ये कहा जा सकता है कि अफगानिस्तान पूरी तरह से अनिश्चितता में डूबा हुआ है। जानकार भी मानते हैं कि अफगानिस्तान में सरकार के गठन में जितनी देर होगी उससे अनिश्चितता का माहौल बढ़ेगा। एक तरफ तालिबान अपनी सरकार के गठन को लेकर कवायद कर रहा है तो दूसरी तरह काबुल में आतंकियों के दूसरे गुटों के हमले तेज होते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं तीसरी तरफ बातचीत के जरिए सरकार बनाने की राह खोजने वाले तालिबान ने पूर्व राष्ट्रपति अहमद करजई और अब्दुल्ला अब्दुल्लाह को उनके ही घर में नजरबंद कर दिया है। खोस्त प्रांत के पूर्व गवर्नर सेदिक पटमन का कहना है कि तालिबान और अफगानिस्तान के दूसरे नेताओं के बीच हुई अब तक की बातचीत केवल हाथ मिलाने तक ही सीमित रही है। उनके मुताबिक इस दौरान सरकार के गठन को लेकर किसी तरह की कोई बातचीत नहीं हुई है। दुर्भाग्य से बीते चार दशकों में शांति और नेशनल रीकंसिलेशन के लिए किसी तरह के कोई कदम नहीं उठाए गए हैं।

उनका ये भी कहना है कि सरकार गठन में हुई देरी से अफगानिस्तान में एक पावर वैक्यूम बन चुका है जो समस्या को बढ़ा ही रहा है। इसलिए तालिबान और दूसरे पक्षों को इस बारे में तेजी से विचार करने की जरूरत है। ताबिलान के कल्चरल कमीशन के प्रमुख अनामुल्लाह समंगनी का कहना है कि अफगानिस्तान में बना ये पावर वैक्यूम तभी खत्म हो सकेगा जब यहां पर तालिबान की सरकार का गठन औपचारिक रूप से होगा। हो सकता है तालिबान कुछ समय के बाद सरकार का गठन कर भी ले। इसके लिए इस्लामिक अमीरात आफ अफगानिस्तान के विभिन्न धड़ों के बीच वार्ता चल रही है। हालांकि अब तक अंतिम नतीजे तक नहीं पहुंचा जा सका है। अब तक किसी भी तरह से कोई भी पक्ष सरकार के गठन के लिए अंतिम घोषणा करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन हमारी पूरी कोशिश है कि ये अनिश्चितता का माहौल जल्द से जल्द खत्म हो सके।

तालिबान के कब्जे के बाद काबुल में रहने वाले लोग भी इस अनिश्चितता के माहौल से दुखी हो चुके हैं। उनका कहना है कि इस माहौल में वो अपना रोजमर्रा का काम भी नहीं कर पा रहे हैं। वो अब इस माहौल से निकलकर सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। लेकिन उन्हें इस अनिश्चितता भले महौल में जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एक काबुल में रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि उन्हें नेता और राष्ट्रपति चाहिए।

ब्रिटेन ने अफगानिस्तान से 20 वर्ष के अपने सैन्य अभियान को समेटा, भरी आखिरी निकासी उड़ान

लंदन, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद ब्रिटेन ने अपने सैन्य अभियान को खत्म कर काबुल से निकासी की अंतिम उडान भरी और उसके सैनिक अफगानिस्तान से स्वदेश रवाना हो गए हैं। पीएम बोरिस जॉनसन ने 'साहसिक' निकासी अभियानों की सराहना की। हालांकि सरकार ने स्वीकार किया कि कई अफगान नागरिक वहां छूट गए हैं, जिन्हें देश से सुरक्षित निकाल कर लाया जाना था। देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने स्वीकार किया, 'हम सभी को बाहर नहीं निकाल पाएं हैं।' ब्रिटेन की सरकार ने शनिवार को कहा था कि ब्रिटेन और अफगान नागरिकों को सुरक्षित निकालने के अभियान में लगे कम से कम एक हजार सैनिकों ने आखिरी निकासी उड़ान के कुछ घंटो बाद देश छोड़ दिया है। अनेक देशों ने अफगानिस्तान से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान बंद कर दिया है। अफगानिस्तान में ब्रिटेन के राजदूत लाउरी ब्रिस्टोव ने रवाना होने से पहले काबुल हवाई अड्डे पर कहा, 'अभियान के इस चरण को रोकने का वक्त आ गया है।' उन्होंने ट्विटर पर एक वीडियो साझा करके कहा, 'लेकिन हम उन लोगों को भूले नहीं हैं जो देश छोड़ना चाहते हैं। हम उनकी मदद के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। न ही हम अफगानिस्तान के बहादुर लोगों को भूले है। वे शांति और सुरक्षित माहौल में रहने के हकदार हैं।' ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल निक कार्टर ने मीडिया से बातचीत में कहा, ह्यहम सब को निकाल नहीं पाए हैं और यह दिल तोड़ने वाला है।

काबुल में अमेरिकी सैनिकों और निर्दोष अफगानों की जान लेने वाले आतंकियों पर जारी रहेगी सैन्य कार्रवाई : बाइडेन

काबुल एयरपोर्ट पर एक और हमले का खतरा, यूएस दूतावास ने कहा तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचें अमेरिकी

काबुल, एजेंसी। काबुल एयरपोर्ट पर एक और आतंकी हमले की आशंका जताई गई है। अमेरिकी दूतावास ने सभी अमेरिकी नागरिकों को तुरंत यह क्षेत्र छोड़ने का सुझाव दिया है। एक बयान में दूतावास ने कहा एक और संभावित खतरे के चलते काबुल स्थित हामिद करजई हवाई अड्डे के आसपास के सभी अमेरिकी नागरिक, एयरपोर्ट सर्कल गेट, न्यू मिनिस्ट्री ऑफ इंटीरियर और पंजशीर पेट्रोल स्टेशन के पास वाले गेट को तुरंत खाली कर दें। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि काबुल में हमारे सैनिकों और निर्दोष लोगों की जान लेने वाले आतंकी संगठन पर कार्रवाई जारी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक में यह निर्णय लिया गया है। दूतावास ने क्षेत्र में मौजूद लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों को हर समय, खासतौर पर भीड़ भाड़ वाली जगहों पर चौकन्ना रहने के लिए कहा गया है। लोगों से कर्फ्यू के नियमों सहित स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि 'आत्मघाती हमले' की धमकी के बाद यह अलर्ट जारी किया गया है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अगले 24 से 36 घंटे के भीतर एयरपोर्ट पर फिर आतंकी हमला हो सकता है। उधर हमले की आशंका के बीच अमेरिका ने एयरपोर्ट के मुख्य गेटों के पास से अपने सैनिक हटा लिए हैं। अब इन गेटों की सुरक्षा की जिमम्मेदारी तालिबान के हाथों में दे दी गई है। बाइडेन ने कहा काबुल में हुए हमले के जिम्मेदार लोगों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने काबुल में एक और आतंकी हमले के प्रति आगाह करते हुए कहा कि वहां की स्थिति बेहद खतरनाक है और आतंकी हमले का खतरा बहुत ज्यादा है।

बाइडेन ने कहा कि खुफिया इनपुट मिला है कि अगले 24 से 36 घंटे के भीतर वहां एक और आतंकी हमला हो सकता है। उन्होंने कहा मैंने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की है। इसमें अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के पर हवाई हमलों को लेकर चर्चा हुई। मैंने उनसे कहा है कि काबुल में हमारे सैनिकों और निर्दोष लोगों की जान लेने वाले आतंकी संगठन पर कार्रवाई जारी रखेंगे।

ओली की राह पर आगे बढ़े देउबा, बीआरआई पर चीन से फिर शुरू की बातचीत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद भारत के साथ अच्छे संबंधों की उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन, भारत की उम्मीदों से दूर जाते हुए देउबा सरकार ने भी पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की राह पर चलते हुए चीन के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर दोबारा बातचीत शुरू कर दी है।

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक महत्वकांक्षी योजना है। इसके जरिए चीन की योजना एशिया को अफ्रीका और यूरोप के साथ जमीनी और समुद्री मार्ग से जोड़ने की है। चीन इस परियोजना के पीछे गरीब देशों को भारी मात्रा में कर्ज देकर उन्हें अपना आर्थिक गुलाम बना रहा है। एशिया में श्रीलंका और लाओस चीन के बीआरआई प्रॉजेक्ट के सबसे बड़े शिकार हैं।

नेपाल में बीआरआई प्रॉजेक्ट के जरिए स्वीकृत एक भी परियोजना अभी शुरू नहीं हुई है। नेपाल और चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पर साल 2017 में हस्ताक्षर किए थे। नेपाल के कई सरकारी अधिकारियों के अनुसार, अब दोनों पक्षों के साथ मसौदा कार्यान्वयन योजना का आदान-प्रदान, परियोजनाओं पर बातचीत और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत उनके शुरू होने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि मसौदे पर काम कर रहे कम से कम तीन अधिकारियों के अनुसार, नेपाल के विदेश मंत्रालय ने इस परियोजना को जल्द से जल्द शुरू करने का बीड़ा उठाया है।

नेपाली विदेश मंत्रालय में उत्तर पूर्व एशिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में तीन साल से अधिक समय तक सेवा देने वाले काली प्रसाद पोखरेल ने कहा चीन ने सरकार से कार्ययोजना की मांग की थी, ताकि वह जल्द से जल्द काम शुरू कर पाए। जब नेपाल ने 2017 में बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर किए, तो इसे नेपाल-चीन संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण के रूप में देखा गया था। लेकिन चीनी कार्यक्रम के तहत एक भी परियोजना शुरू नहीं होने के कारण इस पर सवाल भी उठने लगे थे। बताया जाता है कि भू-राजनीतिक स्थिति के कारण नेपाल सरकार ने चीन की इस परियोजना के खिलाफ अब तक अनिच्छा जताई थी। नेपाल अभी तक भारत और अमेरिका के नाराज होने के संकोच में इस परियोजना को मंजूरी देने से आनाकानी कर रहा था। बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर के समय नेपाल में कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के पुष्प कमल दहल प्रचंड प्रधानमंत्री थे। उनके बाद, नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा ने सरकार का नेतृत्व किया। उनके बाद सीपीएन-यूएमएल के केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री बने। अब एक बार फिर देउबा नेपाल के प्रधानमंत्री बने हैं और उनकी सरकार में प्रचंड भी शामिल हैं। ऐसे में बीआरआई एक बार फिर जोर पकड़ते दिखाई दे रहा है।

भारत के पांच पड़ोसी पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका चीन के बीआरआई प्रॉजेक्ट का हिस्सा हैं। इन देशों में चीन अपने पैसों से इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है। इन देशों के ऊपर चीनी कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। इतना ही नहीं, पैसों का प्रवाह तेज करने के कारण इन देशों की कूटनीति में भी चीन का दखल बढ़ता जा रहा है।

बंद हो गया काबुल एयरपोर्ट, अफगानियों को सता रही भविष्य की चिंता

अमेरिका ने अब तक 1,00,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित रूप से निकाला

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद शनिवार को काबुल के एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। ऐसे में अधिकांश अफगानी देश के बाहर निकलने की उम्मीद लगाए हुए हैं और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के अधिकतर देश अफगानिस्तान में दो दशकों के बाद अपने सैनिकों को निकालकर ले गए है। अमेरिका ने 15 अगस्त को तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद से 1,00,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित रूप से निकाला है और उसे उम्मीद है कि मंगलवार की समय सीमा तक वह अपने सभी लोगों को वहां से निकाल ले। ब्रिटेन भी शनिवार को लोगों को निकालने के लिए अपनी अंतिम उड़ानों का संचालन कर रहा है। अफगानिस्तान में ब्रिटेन के राजदूत लॉरी ब्रिस्टो ने काबुल हवाई अड्डे से एक वीडियो में कहा, 'अब अभियान के इस चरण को बंद करने का समय आ गया है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हम उन लोगों को नहीं भूले हैं जो अभी भी देश छोड़ना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'हम उनकी मदद करने के लिए हर संभव कोशिश करना जारी रखेंगे।' प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि तालिबान बलों ने हवाई अड्डे के भीतर कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया है और वह शांतिपूर्वक नियंत्रण करने के लिए तैयार हैं क्योंकि अमेरिकी सेना बाहर निकल रही है।

तालिबान ने दो दिन पहले एक आत्मघाती हमले के बाद बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए शनिवार को काबुल हवाई अड्डे के आसपास अतिरिक्त बलों को तैनात किया। अमेरिका को 31 अगस्त तक अपने सभी सैनिकों की वापसी के काम को पूरा करना है और इससे पहले यह हमला हुआ था। तालिबान ने हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़कों पर अतिरिक्त जांच चौकियां बनाई है जिनमें तालिबान के वदीधारी लड़ाके तैनात हैं। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमाने के बाद देश से भागने की उम्मीद में पिछले दो हफ्तों में जिन इलाकों में लोगों की बड़ी भीड़ एकत्र हुई थी, वे अब काफी हद तक खाली थे।

हाल में काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती धमाकों में अफगानिस्तान के 169 नागरिकों और 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जवाबी कार्रवाई करने का वादा किया था। कई पश्चिमी देशों ने सभी अमेरिकी बलों की वापसी के लिए मंगलवार की समय सीमा से पहले लोगों को अफगानिस्तान से निकालने के अपने अभियान को पूरा कर लिया है।

तालिबानों के हाथ लगा अफगानों का डाटा, अमेरिका ने किया था इकट्ठा

काबुल, एजेंसी। अमेरिका 20 साल बाद अफगानिस्तान को छोड़ने की तैयारी में है, उसके कई नागरिक और सैनिक वतन वापसी भी कर चुके हैं, लेकिन जाने से पहले अमेरिका ने तालिबान को इतना ताकतवर बना डाला है कि आने वाले दिनों में आम अफगानों की मुसीबत बढ़ने वाली है। अब खबर है कि तालिबान के हाथ लाखों अफगानों का डेटा लग गया है। ये वो डेटा है जो कभी अमेरिका द्वारा इकट्ठा किया गया था। जानकारी मिली है कि तालिबान की एक स्पेशल यूनिट ने इस काम को करना शुरू कर दिया है। उसकी तरफ से हर उस डेटा को इकट्ठा किया जा रहा है जिसका किसी जमाने में इस्तेमाल अमेरिका किया करता था। इस बारे में एक ब्रिगेड कमांडर ने एक न्यूज पोर्टल को विस्तार से बताया है। कहा गया है कि अलइशा द्वारा बायोमेट्रिक स्कैनर का इस्तेमाल किया जा रहा है जो पहले अमेरिकी सेना इस्तेमाल करती थी। इसके जरिए जानने का प्रयास रहेगा कि कौन-कौन अमेरिकी सेना और नाटो के साथ काम कर चुका है। अब ये वहीं डर है जो पिछले कई दिनों से आम अफगानों और कुछ अधिकारियों को सता रहा है। जिन लोगों ने 20 साल तक अमेरिकी सेना के लिए काम किया है, जिनकी तरफ से तालिबान से जुड़ी सीक्रेट जानकारी अमेरिका को दी गई है, अब उन सभी को अपनी जान का खतरा है।

जब तक अमेरिकी सेना अफगानिस्तान में सक्रिय भूमिका निभा रही थी, उनकी तरफ से हाइड नाम का उपकरण लगातार इस्तेमाल किया जा रहा था1 हाइड का मतलब है हैंडहेल्ड इंटरएजेंसी आईडेंटिटी डिटेक्शन इक्विपमेंट। इसके जरिए किसी जमाने में अमेरिका ने 15 लाख अफगानों का डेटा इकट्ठा किया था। इसमें आंखों की पुतली से लेकर चेहरे के स्कैन तक, काफी कुछ मौजूद था।

कोरोना की तीसरी लहर को मात देने के लिए दिसंबर तक सभी को टीका लगाना बड़ी चुनौती

वादा पूरा करने के लिए सरकार को बढ़ानी होगी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। महामारी कोविड-19 के घातक वायरस के दुष्प्रभाव का दंश पूरी दुनिया ने सहा। अब भारत में कोरोना की तीसरी लहर की चर्चा है। अमेरिका में एक बार फिर से एक लाख से ज्यादा मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। ये इस साल जनवरी के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यूरोप में भी कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में भी विशेषज्ञ तीसरी लहर को लेकर बार-बार आगाह कर रहे हैं। कोरोना को मात देने के लिए एकमात्र हथियार वैक्सीन है। भारत में भी लोगों को तेजी से वैक्सीन की डोज लगाई जा रही है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या 31 दिसंबर तक देश के सभी वयस्कों को वैक्सीन की डोज लग जाएगी? दो दिन पहले यानी 27 अगस्त को देश में एक दिन में एक करोड़ से ज्यादा लोगों को

वैक्सीन लगाई गई। ये अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। इससे पहले 16 अगस्त को एक दिन में 88,13,919 वैक्सीन की डोज लगाई गई थी। लेकिन इस साल के आखिर तक सभी को वैक्सीन देने का वादा पूरा करने के लिए सरकार को रफ्तार और बढ़ानी होगी।

देश में लगभग 94 करोड़ वयस्क आबादी है और उन्हें पूरी तरह से टीकाकरण के लिए 188 करोड़ वैक्सीन के खुराक की आवश्यकता है। दरअसल भारत में जो तीन वैक्सीन इस वक्त लगाई जा रही उनकी दो डोज लोगों को अलग-अलग अंतराल पर दिए जा रहे हैं। ये तीन वैक्सीन हैं- सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड, भारत बायोटेक की कोवैक्सिन और रूसी वैक्सीन स्पुतनिक वी। वैक्सीन के ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक अब तक 62.29 करोड़ लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी है। हिसाब लगाया जाए तो 51 फीसदी वयस्क आबादी को वैक्सीन की कम से कम एक डोज लग चुकी है। इनमें से 29.55 फीसदी को वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी है। यानी वयस्क आबादी में करीब 15 फीसदी लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी है।

इन आंकड़ों से ये साफ है कि भारत को वैक्सीन की रफ्तार बढ़ानी होगी। 28 अगस्त से लेकर 31 दिसंबर तक यानी 126 दिनों के अंदर भारत को 125.75 करोड़ वैक्सीन की डोज लगाई होगी। तभी 31 दिसंबर 2021 तक की डेड लाइन पूरी हो सकती है। यानी हर रोज वैक्सीन की एक करोड़ डोज लगानी होगी 7 अगस्त को केंद्र सरकार ने देश को आश्वासन दिया था कि अगस्त से दिसंबर तक 'मेड इन इंडिया' टीकों- कोविशील्ड और कोवैक्सिन की कम से कम 136 करोड़ खुराकें मिलेंगी। हर महीने 25.65 करोड़ खुराक मिलेंगे। इसके अतिरिक्त भारतीय दवा फर्म जेडियस कैडिला से और रूसी स्पुतनिक वी वैक्सीन के भारतीय उत्पादन के माध्यम से कम से कम 5 करोड़ टीके मिलने जा रहे हैं। जेडियस कैडिला के तीन-शॉट कोविड वैक्सीन को इमरजेंसी मंजूरी मिल गई है। कंपनी को इस वर्ष कम से कम 2.5 करोड़ वैक्सीन खुराक का उत्पादन करने की उम्मीद है।

डेयरी मंत्रालय ने 'अजादी का अमृत महोत्सव' के भाग के रूप में वेबिनार का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। मत्स्य पालन, पशु पालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले मत्स्य पालन विभाग ने 'अजादी का अमृत महोत्सव' के भाग के रूप में मत्स्य पालन विभाग के सचिव जतिंद्र नाथ स्वैन की अध्यक्षता में 28 अगस्त को 'मीठे पानी की जलीय कृषि में प्रमुख रोग समस्याएं और उनका प्रबंधन' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। स्वैन ने अपने उद्घाटन भाषण में आजादी प्राप्ति के बाद से भारत में हुई क्रांतिकारी परिवर्तनों और विकास पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि मत्स्य विभाग, आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में वेबिनार की श्रृंखला का आयोजन कर रहा है। आज के वेबिनार में मीठे पानी की जलीय कृषि में प्रमुख रोग समस्याएं और उनका प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया है। स्वैन ने देश के मत्स्य उत्पादन में मीठे पानी की जलीय कृषि के योगदान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने देश में मीठे पानी की जलीय कृषि में रोगों का प्रबंधन करने के लिए पीएमएमएसवाई और पीएमएमएसवाई के अंतर्गत आने वाले उप-घटको के बारे में भी संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। इस वेबिनार को संयुक्त सचिव (अंतदेर्शीय मत्स्य पालन),सागर मेहरा और संयुक्त सचिव (समुद्री मत्स्य पालन) डॉ. जे. बालाजी ने भी संबोधित किया। मत्स्य पालन विभाग, भारत सरकार के अन्य अधिकारियों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मत्स्य पालन अधिकारियों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य पशुपालन और मत्स्य विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, उद्यमी, जलीय कृषि किसानों और पूरे देश के हैचरी मालिकों, जलीय कृषि उद्योग के प्रतिनिधियों ने इस वेबिनार में हिस्सा लिया।

खबर एक नजर

भारत और अमेरिका निकट भविष्य में 500 अरब डॉलर के व्यापार के लक्ष्य पर सहमत हुए हैं: मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण व वस्त्र मंत्री पीयूष गोयल ने जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के मंच से कारोबार व व्यापार समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'सरकार भारत को आत्मानिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। एक आत्मानिर्भर भारत सभी के साथ जुड़ने की क्षमता और आत्मविश्वास पैदा करने के बारे में है। यह हमारे उद्योग को गुणवत्ता, लागत प्रतिस्पर्धा और नवाचार सहित सभी के साथ संवाद स्थापित करने के लिए सशक्त बनाएगा। गोयल ने कहा कि व्यापारी और निर्यातक राष्ट्र के आर्थिक विकास के इंजन को शक्ति प्रदान करने वाले जुड़वां पिस्टन हैं। नीति निमार्ता के रूप में, हम कारोबारी समुदाय के साथ-साथ स्टार्ट-अप की क्षमताओं में दृढ़ता से विश्वास करते हैं, जो अगले 25-30 वर्षों में भारत को वैश्विक स्तर पर शीर्ष अर्थव्यवस्था बना सकता है। गोयल ने देश के सभी संपत्ति निमार्ताओं की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आप लोग हैं, जो गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए कई सामाजिक कल्याण पहल करने में सरकार की सहायता करते हैं।' उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस देश के वंचितों, महिलाओं और बच्चों के जीवन को बदल दिया है। वहीं कारोबारी समुदाय ने प्रधानमंत्री की सोच को साकार करने में सहायता की है। गोयल ने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र के तालमेल ने लोगों में विश्वास पैदा किया है, जो भारत विश्व को दे सकता है, वह कोई अन्य देश नहीं दे सकता। लोगों, निजी क्षेत्र और सरकार के बीच की एक साझेदारी 130 करोड़ भारतीयों के जीवन को बदल रही है। गोयल ने कहा, 'चाहे व्यापार करने में सुगमता हो या जीवनयापन में आसानी, चाहे वह पारदर्शिता हो या लाभों का हस्तांतरण, पिछले 7 वर्षों में रखी गई एक मजबूत नींव, आज हमें बड़े सपने देखने और अपना भाग्य खुद लिखने के लिए प्रेरित करती है। यह एक नया भारत है जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर बनेगा। गोयल ने कहा कि वृद्धि का प्रत्येक मानदंड हम सभी के लिए बेहद रोमांचक भविष्य दिखा रहा है। चाहे वह एफडीआई हो, विदेशी मुद्रा भंडार हो, खाद्यान्न भंडार हो, कृषि उत्पादन हो, विनिर्माण हो, सभी क्षेत्र वृद्धि की राह पर हैं। अब हमें आगे बहुत तेजी से दौड़ने की जरूरत है।

बीते 24 घंटे में कोरोना के 45083 नए मामले मिले, 460 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना की तासरी लहर के बीच रविवार को थोड़ी राहत की खबर आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार रविवार को बीते 24 घंटे में कोरोना के 45,083 नए मामले आए हैं जबकि 460 लोगों की मौत हो गई। वहीं 35,840 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट गए हैं। देश में एक्टिव मरीजों की संख्या 3,68,558 है। वहीं शनिवार को बीते 24 घंटे में 46,759 नए पॉजिटिवि मरीज मिले थे जबकि 509 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 31,374 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी। केरल में रविवार को बीते 24 घंटे में कोरोना के 31,265 मामले सामने आए हैं और 153 लोगों की मौत हो गई। वहीं शनिवार को केरल में बीते 24 घंटे में कोरोना के 32, 809 नए मामले सामने आए थे जबकि 179 लोगों की मौत हुई थी। बता दें कि भारत के दो राज्य केरल और महाराष्ट्र में अभी सबसे अधिक पॉजिटिविटी रेट है।&ल्लु२त्र;केरल के सात जिले (एनार्कुलम, त्रिशूर, कोझीकोड, पलक्कड़, कोल्लम और कोट्टायम) में रोजाना 2000 से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। इसके अलावा केरल सरकार ने शनिवार को घोषणा करते हुए कहा कि कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए राज्य में अभी कर्फ्यू जारी रहेगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक में अगले सप्ताह से रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक रात का कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया गया।

सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रमों ने न केवल पुलिस की मदद करने में, बल्कि पुलिस के बारे में धारणा को बदलने में भी भूमिका निभाई है: राकेश अस्थाना पुलिस आयुक्त, दिल्ली

» (एजेंसी)

नई दिल्ली। आदर्श सभागार, पुलिस मुख्यालय में युवा प्रशिक्षुओं और पुलिस परिवार के सदस्यों के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (उकक) के सहयोग तीन दिवसीय कार्यशाला 'व्यवसाय कैसे शुरू करें' का उद्घाटन राकेश अस्थाना पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने किया। कार्यक्रम का उदेश्य प्रशिक्षुओं को व्यवसाय स्थापित करने और इसे सफलतापूर्वक चलाने का व्यापक ज्ञान प्रदान का अवसर दिलाना था । यह प्रयास उद्यमिता के प्रति एक नया और सकारात्मक दृष्टिकोण है' कार्यशाला में साक्षात्कार कौशल और सीवी लेखन पर एक मॉड्यूल है। प्रशिक्षण का आयोजन मैसर्स मैकलीड सर्टिफिकेशन के पेशेवर प्रशिक्षकों द्वारा एक साथ स्थल पर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किया जाता है। बैंकों, एमएसएमई डिवीजन, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कानूनी फर्मों, डिजिटल मार्केटिंग पेशेवरों और सफल उद्यमियों जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ और प्रेरणा के लिए अपने मूल्यवान इनपुट और जीवन के अनुभव साझा करने के लिए प्रशिक्षुओं को संबोधित करेंगे। अपने स्वागत भाषण में देवेश श्रीवास्तव, स्पेशल सीपी/(ईओडब्ल्यूएंडक्राइम) ने पुलिस-जनसंपर्क के नए मील के पत्थर स्थापित करने में 2017 से अब तक के युवा की यात्रा का वर्णन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, राकेश अस्थाना पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षकों को दिल्ली पुलिस और भारत के प्रमुख उद्योग निकाय सीआईआई के साथ हाथ मिलाने के लिए बधाई दी ताकि वे खुद को सशक्त बना सकें और दूसरों के लिए उदाहरण पेश कर सकें। श्री अस्थाना ने याद किया कि कैसे अपने शरारती बच्चों को डराने के लिए हर घर में पुलिस का जिक्र किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रमों ने न केवल पुलिस की मदद करने में, बल्कि पुलिस के बारे में धारणा को बदलने में भी भूमिका निभाई है लोगों ने अब अनुभव किया है और महसूस किया है कि मुश्किल समय में पुलिस उनकी मदद करती है। श्री अस्थाना ने घोषणा की कि दिल्ली पुलिस ₹मिशन-10000₹ के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रशिक्षु आधार का विस्तार करने के लिए धीरे-धीरे सभी पुलिस स्टेशनों में इस कार्यक्रम का विस्तार करेगी। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को भी युवा के साथ जोड़ा जाना चाहिए। माधव सिंघानिया, वाइस चेयरमैन, सीआईआई दिल्ली ने प्रशिक्षुओं को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनकर सामाजिक परिवर्तन के एजेंट बनने का आह्वान किया।

31.07.2021 तक, कुल 12722 उम्मीदवारों ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, जिसमें से 7631 (पुरुष-4669 और महिला-2962) को 55 नौकरी मेलों और 73 इन-हाउस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी मिली है।

इस अवसर पर स्पेशल सीपी बालाजी श्रीवास्तव, डॉ मुक्तेश चंदर, सुश्री सुंदरी नंदा उपस्थित थीं। संयुक्त सीपी सागर प्रीत हुड्डा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आधार-पैन/ईपीएफओ को जोड़ने की सुविधा में कोई रुकावट नहीं आई है: यूआईडीएआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आज कहा कि उसकी सभी सेवाएं स्थिर हैं और ठीक तरह से काम कर रही हैं। इसकी आधार-पैन/ईपीएफओ को आपस में जोड़ने की सुविधा में कोई रुकावट नहीं आई है। यह एक प्रमाणीकरण-आधारित सुविधा है। यूआईडीएआई ने कहा चूंकि यह पिछले सप्ताह के दौरान चरणबद्ध तरीके से अपनी प्रणाली में एक आवश्यक सुरक्षा अपडेट के दौर से गुजर रहा था, कुछ नामांकन/अपडेट केंद्रों पर केवल नामांकन और मोबाइल अपडेट सेवा सुविधा में कुछ रुकावट की सूचना मिली थी, लेकिन अब यह सेवा अपडेट होने के बाद ठीक तरह से काम कर रही है।

यूआईडीएआई ने कहा कि भले ही सिस्टम स्थिर हो गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए इसकी निगरानी की जा रही है कि उपभोक्ताओं को कोई असुविधा न हो। यह ध्यान दिया जा सकता है कि 20 अगस्त 2021 को अपडेट प्रक्रिया की शुरूआत के बाद से पिछले 9 दिनों में 51 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को प्रति दिन औसतन 5.68 लाख नामांकन के साथ नामांकित किया है, जबकि प्रमाणीकरण लेनदेन सामान्य रूप से प्रति दिन 5.3 करोड़ से अधिक के औसत पर प्रमाणीकरण हुआ है। यूआईडीएआई ने आधार को पैन/ईपीएफओ से जोड़ने में तथाकथित यूआईडीएआई प्रणाली के ठप होने पर कुछ मीडिया रिपोर्टों का जवाब देते हुए कहा कि इस तरह की मीडिया रिपोर्ट सही नहीं हैं।

कोरोना संक्रमण को मात दे चुके लोगों के लिए कोवैक्सीन की एक ही खुराक काफी: आईसीएमआर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में लोगों को कोरोना वायरस से बचाने के लिए बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान लोगों को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सिन की दो-दो डोज दी जा रही हैं। इस बीच भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक अध्ययन में दावा किया गया है कि जो व्यक्ति पहले कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है, उसे दी जाने वाली कोवैक्सिन की एक डोज से मिलने वाली एंटीबॉडी प्रतिक्रिया गैर संक्रमित रहे व्यक्ति को मिलने वाली दो डोज के लाभ के बराबर फायदा दे सकती है।

आईसीएमआर ने कहा अगर बड़ी जनसंख्या के अध्ययनों पर हमारे प्रारंभिक नतीजे साबित होते हैं, तो पहले सार्स कोव-2 वायरस से संक्रमित हो चुके व्यक्ति को बीबीवी152 वैक्सीन की एक खुराक दिए जाने का सुझाव दिया जा सकता है। ताकि लोगों को सीमित वैक्सीन आपूर्ति का बड़ा लाभ दिया जा सके। इस शोध के दौरान फरवरी से मई 2021 के बीच चेन्नई के टीकाकरण केंद्रों में कोवैक्सिन लगवाने वाले 114 हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स के ब्लड सैंपल्स की जांच की गई। इससे पता चला कि पहले सार्स कोव-2 से संक्रमित लोगों में वैक्सीन से बनी बेहतर एंटीबॉडी प्रतिक्रियाएं देखी गईं। हालांकि दो लोगों में ऐसा नहीं दिखा। इन लोगों को बीबीवी152 वैक्सीन की एक डोज दी गई थी, जो संक्रमित हो चुके लोगों को दी गई वैक्सीन की डोज के बाद दिखी एंटीबॉडी प्रतिक्रिया के बराबर थी।

वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में अभी तक कोविड-19 के टीकों की कुल 63 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। शनिवार शाम 7 बजे जारी अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को कोविड-19 रोधी टीके की 65 लाख से अधिक खुराकें दी गईं। मंत्रालय ने कहा कि सबसे जोखिम वाले जनसंख्या समूहों को कोविड-19 से बचाने के एक साधन के रूप में देश में टीकाकरण कवायद की नियमित रूप से समीक्षा और निगरानी की जा रही है।

चिदंबरम ने आजादी के जश्न वाले पोस्टर में नेहरू की तस्वीर नहीं होने पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जारी पहले डिजिटल पोस्टर में जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर नहीं लगाने पर भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) की निंदा की है। चिदंबरम ने कहा कि इस पर दी गई सफाई हास्यास्पद है। उन्होंने आईसीएचआर के सदस्य सचिव पर घृणा एवं पूर्वाग्रह के आगे झुकने का आरोप लगाया और उनसे सवाल किया कि क्या वह मोटर कार के जन्म का जश्न मनाते हुए हेनरी फोर्ड को नजरअंदाज कर सकते हैं या विमानन की शुरूआत का जश्न मनाते हुए राइट बंधुओं को भूल जाएंगे?

मोटर कार का आविष्कार सबसे पहले फोर्ड ने किया था और राइट बंधुओं को दुनिया के पहले विमान के निर्माण और उड़ान का श्रेय दिया गया था। उन्होंने ट्वीट किया, 75वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए पहले डिजिटल पोस्टर में जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर न लगाने का आईसीएचआर सदस्य सचिव का स्पष्टीकरण हास्यास्पद है। उन्होंने यह भी कहा, घृणा एवं पूर्वाग्रह के आगे झुकने के **बाद, बेहतर यह रहेगा कि सदस्य सचिव अपना मुंह बंद रखें।** चिदंबरम ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा, अगर वह मोटर कार के आविष्कार का जश्न मना रहे होते, तो क्या वह हेनरी फोर्ड को हटा देते? अगर वह विमानन के जन्म का जश्न मना रहे होते, तो क्या वह राइट बंधुओं को छोड़ देते? अगर वह भारतीय विज्ञान का उत्सव मना रहे होते तो क्या वह सीवी रमन को हटा देते?

आईसीएचआर द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के पोस्टर में नेहरू की तस्वीर नहीं लगाने पर विवाद शुरू हो गया है। विपक्षी दलों ने इसके लिए सरकार की आलोचना की है और इसे तुच्छ एवं भद्दा करार दिया है।

आयुष मंत्री सोनोवाल ने पूर्वोत्तर में आयुष की पहलों को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख योजनाओं की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वोत्तर में पारंपरिक औषधीय प्रथाओं को बढ़ावा देने की पहल को प्रोत्साहित करने के लिए, केंद्रीय आयुष और पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री, सबार्नंद सोनोवाल ने गुवाहाटी में आयोजित एक सम्मेलन में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में पारंपरिक औषधीय प्रथाओं को बढ़ावा देने से जुड़ी कई प्रमुख पहलों की घोषणा की। आयुष प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए आयोजित पूर्वोत्तर राज्यों के आयुष और स्वास्थ्य मंत्रियों के इस सम्मेलन में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सम्मेलन में केंद्रीय आयुष और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, डॉ. मुंजापारा महेंद्रभाई, असम, नागालैंड और सिक्किम के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योगपति भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ने घोषणा की है कि आयुष प्रणालियों की प्रगति और विकास के लिए पूर्वोत्तर राज्यों में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के तहत 1,000 नए स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एचडब्ल्यूसी) खोले जाएंगे। इन केंद्रों का उद्देश्य आयुष चिकित्सा पद्धति के सिद्धांतों पर आधारित समग्र स्वास्थ्य मॉडल प्रदान करना है। आयुष मंत्रालय देश में कुल 12,500 एचडब्ल्यूसी शुरू करेगा। आयुष द्वारा प्रदान की जाने वाली पारंपरिक दवाओं की लोकप्रियता को बढ़ावा देने के लिए, मंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 100 आयुष औषधालयों की स्थापना की भी घोषणा की।

टीबी को 2025 तक जड़ से खत्म करने के लिए सरकार बचनबद्ध है: डॉ सुदर्शन मंडल

» (एजेंसी)

नई दिल्ली। भारत मे टीबी एक भयंकर बीमारी के रूप में अपना पावँ पसार रही है, टीबी का कई अन्य रूपों में भी विस्तार होता रहा है।भारत सरकार टीबी को खत्म करने को लेकर कई तरह से योजनायें चला रही है। जिसे राज्य,जिला,पंचायत और ब्लॉक स्तर पर भी बड़े रूप में काम किया जा रहा है।

टीबी को जड़ से मिटाने के लिए बड़ी कंपनियां के सीएसआर फण्ड से भी कई योजनाएं चलाते हुए लोगों को जागरूक भी किया जाता है। फूजी फिल्म पिछले कई वर्षो से एक्सरे फिल्म ओर डिवाइसों को आधुनिक तकनीकियों से विकसित कर लोगों तक पहुचाने के लिए अग्रसर है। फूजी फिल्म इंडिया के सीईओ कोजी वादा ने बताया कि 'टीबी हारेगा भारत जीतेगा,' आज हम टीबी को लेकर ज्यादा सतर्क हैं, उन्होंने बताया कि बड़े पैमाने पर टीबी भारत मे अपने पाँव फैला रही है, टीबी जैसी बीमारी पर हमको जल्द से जल्द काबू पाना होगा उसके लिए हर स्तर पर हमारी फूजी फिल्म बहुत काम कर रही हैं।फूजी फिल्म इस पर कई

वर्षों से विभिन स्तर की एक्सरे मशीने ,फिल्मे, ओर अन्य डिवाइस बना रहा है, आज हमने एक नई मोबाइल एक्सरे डिवाइस बनाई है जो बहुत छोटी डिवाइस है, सामुदायिक समहू गावो,कस्बो,ओर मजदूर वर्गों के ईलाज में बहुत ही सहायक होगी, उन्होंने बताया कि डिवाइस मोबाइल वेन उन जगहों पर जाकर मजदूरों के केम्पों उनका एक्सरे करेगी और तुरंत ही उनको रिपोर्ट भी मिल जाएगी,कोजी वादा ने बताया कि सरकारों, कंपनियों ओर हस्पतालों के साथ पब्लिक पार्टनर शिप के तहत भी हम काम कर रहें है । हमारा मकसद है कि रिपोर्ट जल्दी आये और जल्द इलाज मिले, टीबी हारेगा भारत जीतेगा।

डॉ सुदर्शन मंडल उप निदेशक स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार, ने विशेष रूप से उपस्थित होकर सरकार के विजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कोरोना के समय भी टीबी में इजाफा हुआ है, हम राज्य,जिला, पंचायत ओर ब्लॉक स्तर पर भी टीबी को जड़ से मिटाने के लिए कार्य कर रहे है, फूजी फिल्म ने जिस छोटे से मोबाइल एक्सरे डिवाइस का निर्माण किया है इससे लाखो गरीब टीबी के पीड़ितों को फायदा होगा जो समय पर इस बीमारी को पहचान नही पाते, ज्यादातर सामुदायिक स्तर में रहने वाले नागरिकों को इससे काफी फायदा होगा। उन्होंने बताया कि सरकार का विजन है कि सन 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनानें के लिए हर स्तर पर कार्य किया जाना जरूरी हो गया है।

श्रीमती संगीता पटेल निदेशक हेल्थ USAID/इंडिया ने बताया कि हमे आज विभिन्न तरह से लड़ाई लड़नी पड़ रही है ,टीबी को मिटाने के लिए हमको ऐसी डिवाइस की भी अति आवश्यकता होगी जिससे जल्द बीमारी का पता चले ओर इलाज समय पर मिल सके। इस मौके पर चन्दर शेखर सिब्बल सीनियर वाइस प्रेसिडेंट फूजी फिल्म, डॉ ज्योति जाजू, व कई हॉस्पिटल,कंपनियों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

धर्म- संस्कृति: जन्माष्टमी पर लगता है दरगाह में मेला

राजस्थान में झुंझुनू जिले के नरहड़ में स्थित पवित्र हाजीब शक्करबार शाह की दरगाह कौमी एकता की जीवन्त मिशाल हैं। इस दरगाह की सबसे बड़ी विशेषता हैं कि यहां सभी धर्मो के लोगों को अपनी-अपनी धार्मिक पद्धति से पूजा अर्चना करने का अधिकार है। कौमी एकता के प्रतीक के रुप मे ही यहां प्राचीन काल से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विशाल मेला भरता है। जिसमे देश के विभिन्न हिस्सों से हिन्दुओं के साथ मुसलमान भी पूरी श्रद्धा से शामिल होते हैं। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर नरहड़ में भरने वाला विशाल मेला और अष्टमी की रात होने वाला रतजगा सूफी संत हजरत शकरबार शाह की इस दरगाह को देशभर में कौमी एकता की अनूठी मिसाल का अद्भुत आस्था केंद्र बनाता है। जहां हर धर्म-मजहब के लोग हर प्रकार के भेदभाव को भुलाकर बाबा की बारगाह में सजदा करते हैं।

राजस्थान में झुंझुनू जिले के नरहड़ में स्थित पवित्र हाजीब शक्करबार शाह की दरगाह कौमी एकता की जीवन्त मिशाल हैं। इस दरगाह की सबसे बड़ी विशेषता हैं कि यहां सभी धर्मो के लोगों को अपनी-अपनी धार्मिक पद्धति से पूजा अर्चना करने का अधिकार है। कौमी एकता के प्रतीक के रुप मे ही यहां प्राचीन काल से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विशाल मेला भरता है। जिसमे देश के विभिन्न हिस्सों से हिन्दुओं के साथ मुसलमान भी पूरी श्रद्धा से शामिल होते हैं। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर नरहड़ में भरने वाला विशाल मेला और अष्टमी की रात होने वाला रतजगा सूफी संत हजरत शकरबार शाह की इस दरगाह को देशभर में कौमी एकता की अनूठी मिसाल का अद्भुत आस्था केंद्र बनाता है। जहां हर धर्म-मजहब के लोग हर प्रकार के भेदभाव को भुलाकर बाबा की बारगाह में सजदा करते हैं। दरगाह के खादिम एवं इंतजामिया कमेटी करीब सात सौ वर्षों से अधिक समय से चली आ रही सांप्रदायिक सद्भाव को प्रदर्शित करने वाली इस अनूठी परम्परा को सालाना उर्स की माफिक ही आज भी पूरी शिद्दत से पीढ़ी दर पीढ़ी निभाते चले आ रहे हैं। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की छठ से शुरू होने वाले इस तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन में दूर-दराज से नरहड़ आने वाले हिंदू जात्री दरगाह में नवविवाहितों के गठजोड़े की जात एवं बच्चों के जडूले उतारते हैं। जन्माष्टमी पर यहां भरने वाले तीन दिवसीय मेले में राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, दिल्ली, आंध्रप्रदेश व महाराष्ट्र के लाखों जायरीन शरीक होते हैं। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भरने वाले इस मेले में हिंदू धर्मावलंबी भी बड़ी तादाद में शिरकत कर अकीदत के फूल भेंट करते हैं। जायरीन यहां हजरत हाजिब की मजार पर चादर, कपड़े, नारियल, मिठाइयां और नकद रुपया भी भेंट करते हैं। दरगाह के वयोवृद्ध खादिम हाजी अजीज खान पठान बताते हैं कि यह कहना तो मुश्किल है कि नरहड़ में जन्माष्टमी मेले की परम्परा कब और कैसे शुरू हुई? लेकिन इतना जरूर है कि देश विभाजन एवं उसके बाद और कहीं संप्रदाय, धर्म-मजहब के नाम पर भले ही हालात बने-बिगड़े हों पर नरहड़ ने सदैव हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल ही पेश की है। अजीज खान बताते हैं कि जन्माष्टमी पर जिस तरह मंदिरों में रात्रि जागरण होते हैं ठीक उसी प्रकार अष्टमी को पूरी रात दरगाह परिसर में चिड़ावा के प्रख्यात दूलजी राणा परिवार के कलाकार ख्याल (श्रीकृष्ण चरित्र नृत्य नाटिकाओं) की प्रस्तुति देकर रतजगा कर पुरानी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए है। नरहड़ का यह वार्षिक मेला अष्टमी एवं नवमी को पूरे परवान पर रहता है। दरगाह परिसर में गोगा पीर का स्थान बना हुआ है जहां दरगाह में आने वाले श्रद्धालु श्रद्धा से शीश झुकाते हैं। दरगाह परिसर में हाजी बाबा की मजार के पास स्थित गोगापीर का स्थान कौमी एकता का संदेश देता हैं। मान्यता है कि पहले यहां दरगाह की गुम्बद से शक्कर बरसती थी इसी कारण यह दरगाह शक्करबार बाबा के नाम से भी जानी जाती हैं। शक्करबार शाह अजमेर के सूफी संत ख्वाजा मोइनुदीन चिश्ती के समकालीन थे तथा उन्ही की तरह सिद्ध पुरुष थे। शक्करबार शाह ने ख्वाजा साहब के 57 वर्ष बाद देह त्यागी थी। राजस्थान व हरियाणा मे तो शक्करबार बाबा को लोक देवता के रुप मे पूजा जाता है। शादी, विवाह, जन्म, मरण कोई भी कार्य हो बाबा को अवश्य याद किया जाता है इस क्षेत्र के लागो की गाय, भैंसों के बछड़ा जनने पर उसके दूध से जमे दही का प्रसाद पहले दरगाह पर चढ़ाया जाता हैं तभी पशु का दूध घर में इस्तेमाल होता है। हाजिब शक्करबार साहब की दरगाह के परिसर में जाल का एक विशाल पेड़ हैं जिस पर जायरीन अपनी मन्नत के धागे बांधते हैं। मन्नत पूरी होने पर गांवो मेंर रतजगा होता है जिसमें महिलाएं बाबा के बखान के लोकगीत जकड़ी गाती हैं। दरगाह में बने संदल की मिट्टी को खाके शिफा कहा जाता हैं। जिन्हे लोग श्रद्धा से अपने साथ ले जाते। लोगो की मान्यता है कि इस मिट्टी को शरीर पर मलने से पागलपन दूर हो जाता हैं। दरगाह में ऐसे दृश्य देखे जा सकते हैं। हजरत के अस्ताने के समीप एक चांदी का दीपक हर वक्त जलता रहता हैं। इस चिराग का काजल बड़ा ही चमत्कारी माना जाता है। इसे लगाने से आंखो के रोग दूर होने का विश्वास हैं। दरगाह के पीछे एक लम्बा चैड़ा तिबारा है जहां लोग सात दिन की चैकी भरकर वहीं रहते है। नरहड़ दरगाह मे कोई सज्जादानसीन नही हैं। यहां के सभी खादिम अपना अपना फर्ज पूरा करते हैं। दरगाह मे बाबा के नाम पर देश -विदेश से प्रतिदिन बड़ी संख्या मे खत आते है जिनमे लोग अपनी-अपनी समस्याओं का जिक्र कर बाबा से मदद की अरदास करते हैं। दरगाह कमेटी के पूर्व सदर मास्टर सिराजुल हसन फारुकी बताते थे कि जिस प्रकार ख्वाजा मोइनुदीन चिश्ती को 'सूफियों का बादशाह ' कहा गया है। उसी प्रकार शक्करबार शाह बागड़ के धणी के नाम से प्रसिद्ध हैं। नरहड़ गांव कभी राजपूत राजाओं की राजधानी हुआ करता था। उस समय यहां 52 बाजार थे। पठानों के जमाने यहां के लोदी खां गर्वनर थे। राजपूतों के साथ चले युद्ध में उनकी लगातार पराजय हुई। किंवदंति है कि एक बार हार से थक कर चूर हुए लोदी खां और उनकी सेना मजार के निकट विश्राम कर रही थी, तभी पीर बाबा की दिव्य वाणी हुई कि मेरी मजार तक घोड़े दौड़ाने वाले तुम कैसे विजयी हो सकते हो? यदि मजार से हटकर लड़ोगे तो तुम्हारी जीत होगी। इसके बाद लोदी खां ने फिर से आक्रमण किया जिसमें उनकी जीत हुई। उसी समय से यहां हजरत शकरबार पीर बाबा का आस्ताना कायम है। उसी समय यहां मजार व दरगाह का निर्माण करवाया गया। जायरीन में प्रवेश करने वाले प्रत्येक जायरीन को यहां तीन दरवाजों से गुजरना पड़ता है। पहला दरवाजा बुलंद दरवाजा है, दूसरा बसंती दरवाजा और तीसरा बगली दरवाजा है। इसके बाद मजार शरीफ और मस्जिद है। बुलंद दरवाजा 75 फिट ऊंचा और 48 फिट चैड़ा है। मजार का गुंबद चिकनी मिट्टी से बना हुआ है, जिसमें पत्थर नहीं लगाया गया है। कहते है कि इस गुंबद से शक्कर बरसती थी, इसलिए बाबा को शकरबार नाम मिला। नरहड़ के इस जोहड़ में दूसरी तरफ पीर बाबा के साथी दफन है जिन्हें घरसों वालों का मजार के नाम से जाना जाता है। इतना महत्तवपूर्ण स्थल होने के उपरान्त भी राजस्थान वक्फ बोर्ड की उदासीनता के चलते यहां का समुचित विकास नही हो पाया है इस कारण यहां आने वाले जायरीनो को परेशानी उठानी पड़ती हैं। झुंझुनू जिला प्रशासन, राजस्थान वक्फ बोर्ड को इस प्रसिद्व दरगाह परिसर का योजनाबद्ध ढ़ंग से समुचित विकास करवाना चाहिये ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़े।

संपादकीय

भारत-यूएस की करीबी

अफगानिस्तान में तेजी से बदल रहे हालात से नई-नई चुनौतियों के सिर उठाते ही भारत और अमेरिका की साझेदारी भी नए स्तर पर जा रही है। अमेरिका ने काबुल एयरपोर्ट पर भारतीय वायुसेना के विमान की उड़ान के प्राथमिकता दी। इस कारण भारत को अपने राजनयिकों को वापस लाने में खास मुसीबत नहीं हुई। ध्यान रहे कि काबुल हवाई अड्डे की सुरक्षा अब भी अमेरिकी सैनिकों के हाथ में ही है। तालिबान ने कब्जे के बाद से ही काबुल हवाई अड्डे तक जाने वाले रास्तों पर चेकपॉइंट्स लगा रहा है जिससे लोग एयरपोर्ट नहीं पहुंच रहे थे, मगर अमेरिका के सख्त रवैये के बाद तालिबान पीछे हटा और भारतीयों की राह आसान हुई। बदलते भूराजनैतिक परिदृश्य में तालिबानी नेतृत्व वाले अफगानिस्तान के साथ रूस, चीन और पाकिस्तान के बढ़ते तालमेल भी अमेरिका और भारत की करीबी बढ़ा रहा है। इसका क्षेत्रीय सुरक्षा और बड़ी ताकतों के बीच प्रतिस्पर्धा पर बड़ा असर देखा जा सकता है। नए अनौपचारिक समूह संगठन में कतर और तुर्की की भूमिका बाहरी ही सही, लेकिन महत्वपूर्ण है। खबरें आ रही हैं कि अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान की वापसी की तथाकथित डील तुर्की में हुई थी जबकि कतर ने काबुल से राजनयिकों और विदेशियों को निकालने में मदद का वादा किया था। अफगानिस्तान में तालिबानियों का कब्जा पूरी दुनिया के लिए एक नया सिरदर्द साबित होने वाला है। जिस तरह से पाकिस्तान ने सत्ता वापसी में तालिबान की मदद की है, उससे भारत की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। तालिबान का उदय भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती पेश करेगा। भारतीय दृष्टिकोण से देखें तो अफगानिस्तान में तालिबान का उदय न केवल पहले कदम के रूप में बड़े पैमाने पर कट्टरपंथ के साथ मोदी सरकार के लिए आंतरिक सुरक्षा चुनौती पेश करेगा, बल्कि यह भारत पर हमला करने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों को भी प्रोत्साहित करेगा। भले ही देवबंदी और सलाफी अलग-अलग इस्लामी स्कूल हैं, मगर पाकिस्तानी ने देवबंदी हक्कानी नेटवर्क की मदद से अतीत में काबुल में भारतीय दूतावास पर हमला करने के लिए लश्कर-ए-तैयबा जैसे सलाफी समूहों का इस्तेमाल किया है। इससे साफ होता है कि तालिबान के उदय से भारत की चिंता बढने ही वाली है। भले ही जैश और लश्कर के आतंकियों को भारत के खिलाफ संयुक्त आतंकवादी अभियान चलाने के लिए नहीं जाना जाता है, मगर पाक की आईएसआई ने सुनिश्चित किया है कि उन्हें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में एक ही पैड से लॉन्च किया जाए।

प्रवीण कुमार सिंह

श्रीकृष्ण की धर्म नीति

"लोकजीवन में 'धर्म' शब्द जितना अधिक सुपरिचित है उसका अर्थ-बोध उतना ही अधिक व्यापक एवं गूढ़ है। अर्थ-विस्तार की दृष्टि से धर्म मानव-जीवन के उन समस्त पक्षों का सम्यक संवहन करता है, जो जीवन को रचनात्मकता एवं सुंदरता की ओर अग्रसर करते हैं किंतु अर्थ-संकोच की दृष्टि से धर्म विशिष्ट विश्वास-प्रेरित पूजा-पद्धति के अर्थ में रुढ़ हो गया है । जनसामान्य धर्म को इसी रुढ़ अर्थ में ग्रहण करता है। धर्म लोक-व्यवहार, सदाचार और मानवीय-गरिमा की संरक्षक मयार्दाओं के निर्देशन एवं पालन की संज्ञा है। धर्म का मूल-तत्व लोकमंगल है।"

लोकजीवन में 'धर्म' शब्द जितना अधिक सुपरिचित है उसका अर्थ-बोध उतना ही अधिक व्यापक एवं गूढ़ है। अर्थ-विस्तार की दृष्टि से धर्म मानव-जीवन के उन समस्त पक्षों का सम्यक संवहन करता है, जो जीवन को रचनात्मकता एवं सुंदरता की ओर अग्रसर करते हैं किंतु अर्थ-संकोच की दृष्टि से धर्म विशिष्ट विश्वास-प्रेरित पूजा-पद्धति के अर्थ में रुढ़ हो गया है । जनसामान्य धर्म को इसी रुढ़ अर्थ में ग्रहण करता है। धर्म लोक-व्यवहार, सदाचार और मानवीय-गरिमा की संरक्षक मयार्दाओं के निर्देशन एवं पालन की संज्ञा है। धर्म का मूल-तत्व लोकमंगल है। प्रायः विश्व के सभी धर्मों के मूल में लोकमंगल की प्रेरणा ही सक्रिय रही है किंतु मानव-सभ्यता के इतिहास में जब-जब व्यापक लोकमंगल की उपेक्षा करके मनुष्य ने निजी स्वार्थों और अपनी सहज दुर्बलताओं के तटबंधों में बंधकर धर्म की निर्मल जलधारा को रुढ़ियों के बंधन में बांधा है तब-तब धर्म अपनी सार्थकता खोकर समाज के पतन का कारण बना है और इतिहास के पृष्ठ कलंकित हुए हैं। भीष्म एवं द्रोण आदि महारथियों की रूढ़िबद्ध धार्मिकता ने द्रौपदी के चीर-हरण को चुपचाप सहकर समाज को महाभारत युद्ध की ओर धकेला। निहित स्वार्थों के लिए समर्पित धृतराष्ट्र की अंधी राज्य-लिप्सा और अपरिमित पुत्रमोह को बल भीष्म की प्रतिज्ञा-पालन की रुढ़ि को धर्म समझने और द्रोण के 'नमक का मूल्य चुकाने की' धार्मिक रुढ़ियुक्त अविवेकपूर्ण राजभक्ति' से मिला। भागते हुए शत्रु पर प्रहार न करने को ही बिना विचार किए धर्म मान लेने की मूर्खतापूर्ण धर्मरुढ़ि आक्रांता मोहम्मद गोरी को प्राणदान दिलाकर अंततः विजेता पृथ्वीराज के ही नाश का कारण नहीं बनी अपितु उसने समस्त भारतीय समाज के राजनीतिक-सांस्कृतिक जीवन को काँटों के पथ पर धकेल दिया। 'हमारे विश्वास ही सर्वश्रेष्ठ हैं और समस्त विश्व के मानव समुदाय को हम अपने ही विश्वासों के रंग में रंग लेंगे'-- इस कथित धर्मप्रियता के कारण आज के वैज्ञानिक दृष्टि संपन्न समाज में भी आतंकवाद और धर्मांतरण के काले कुचक्र चल रहे हैं और धर्म का मूल तत्व लोकमंगल घायल है। जब-जब जीवन के धरातल पर धर्म अपने लोक मंगलकारी स्वरूप को खोकर मूर्खतापूर्ण अंधी-रूढ़ियों के मकड़जाल में जकड़ कर अपनी शक्ति खोने लगता है तब-तब समाज में कोई राम, कोई कृष्ण, कोइ शंकराचार्य, कोई गोविंदसिंह अथवा विवेकानंद जन्म लेकर धर्म के मर्म को पुनर्व्याख्यायित करता है-- समाज को दिशा देता है। यही 'यदा यदा ही धर्मस्य.....' का शाश्वत रहस्य है। जो व्यक्ति विवेक की कसौटी पर कसकर कर्तव्य-अकर्तव्य का विचार करके कर्म को लोक-कल्याण की दिशा में नियोजित करता है, वही सच्चा धार्मिक है; महापुरुष है; अवतार है, पूज्य है। श्री कृष्ण भी ऐसे ही लोकवन्द्य महापुरुष हैं। उन्होंने अपने युग में धर्म के नाम पर पल्लवित रूढ़ियों से संरक्षित शोषक-शक्तियों का विनाश कर मानवीय-गौरव को प्रतिष्ठित किया। उनके द्वारा उपदेशित गीता का ज्ञान मनुष्य के धार्मिक तत्व-चिंतन का वह उज्वल आलोक है जिसका स्पर्श पाकर जटिल और गूढ़ धर्मतत्व से उत्पन्न भ्रांतियाँ स्वतः नष्ट हो जाती हैं तथा जीवन नैतिक-मानमूल्यों के अनुरूप भौतिक और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर लेता है । श्रीकृष्ण ने बाल्यकाल से ही धार्मिक-रूढ़ियों पर प्रहार कर लोकजीवन को प्राकृतिक सहज-पथ की ओर निर्देशित किया। इंद्र-पूजा से गोवर्धन-पूजन की परम्परा का प्रारंभ जीवन के पोषक प्राकृतिक-तत्वों के प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन का पुनर्प्रतिष्ठापन है। सामाजिक-जीवन में श्रीकृष्ण पग-पग पर नए लोकमंगलकारी धर्म के असंख्य अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जन-सामान्य की दृष्टि में अपने से बड़े पद पर आसीन व्यक्ति अथवा संबंधी पर प्रहार अधर्म हो सकता है किन्तु कृष्ण की दृष्टि में यदि ऐसा व्यक्ति अपने धर्म का पालन नहीं करता और समाज के लिए संकट उत्पन्न करता है तो सर्वथा वध्य है। कंस ने अपने पिता महाराजा उग्रसेन को बंदी बनाकर पुत्रधर्म के विरुद्ध आचरण किया। बहिन देवकी और बहनोई वसुदेव को त्रास देते हुए अपने भानजों का वध करके सामाजिक सम्बंधों की मयार्दा तार-तार कर दी और मथुरा की प्रजा को आतंकित कर राजधर्म का अनादर किया। ऐसा कंस कृष्ण की धर्म-दृष्टि के अनुसार सर्वथा वध्य बन गया जबकि राजा और मामा होने के कारण वह कृष्ण के लिए धर्मरूढ़ि से सर्वथा अवध्य और सेव्य सिद्ध होता है। श्रीकृष्ण की क्रांतिकारिणी लोकमंगलमुखी धर्मदृष्टि विवेकानुसार निर्णय कर उनके द्वारा कंस का वध कराती है और लोकहित को रक्त सम्बंधों पर वरीयता देती है। प्रचलित सामाजिक मान्यता के अनुसार युद्ध में पीठ दिखाना अधर्म है, कायरता है और निन्दनीय कृत्य है। स्वयं श्रीकृष्ण भी युद्ध से पलायन को अधर्म और अनुचित कार्य कहते हैं- 'क्लैव्यं मा स्मगमः पार्थ'--हे अर्जुन ! क्लीवता (नपुंसकता) को प्राप्त मत हो। यह तुम्हारे लिए उचित नहीं है । इस प्रकार वे युद्ध से विरत अर्जुन को युद्ध में नियोजित करते हैं किन्तु स्वयं युद्ध से पलायन करके एक नयी धर्म-दृष्टि प्रस्तुत करते हैं।9..युद्ध को यशरूप स्वर्ग का खुला द्वार बताने वाले श्रीकृष्ण मथुरा पर जरासंध के बार-बार होने वाले आक्रमणों के निवारण के लिए स्वयं 'रणछोड़' बन जाते हैं। युद्ध कहां करना है और कहां टालना है, युद्ध कब अपरिहार्य-अनिवार्य है और कहां परिहार्य, वह कब धर्म है और कब अधर्म-- इसका निर्णय कृष्ण की सतर्क और सचेत धर्मबुद्धि मानवीय-अस्मिता तथा व्यापक लोकहित की दृष्टि से करती है। व्यक्तिगत स्वार्थों और निजी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए युद्ध अधर्म है, पाप है किन्तु यदि नैतिक-मूल्यों की रक्षा के लिए, शोषक-शक्तियों के विनाश के लिए युद्ध करना पड़े तो वह निश्चय ही धर्म बन जाता है। कृष्ण की यह धर्म दृष्टि सर्वथा अभिनव है, स्तुत्य है क्योंकि उसमें मनुष्य का व्यापक हित सन्निहित है। शोषक एवं अत्याचारी सत्ता द्वारा प्रताड़ित पीड़ित की रक्षा करना समर्थ मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है। सर्वथा असहाय द्रोपदी की अप्रत्यक्ष रूप से रक्षा करके श्री कृष्ण धर्म का यह पक्ष प्रतिष्ठित करते हैं। कुरुराज सभा के बड़े-बड़े धर्मज्ञ जब दुर्योधन की निरंकुश दुरभिलाषाओं और निर्बाध ईर्ष्या की पुष्टि में मौनधारण को ही धर्म मान लेते हैं तब श्रीकृष्ण की अप्रत्यक्ष सहायता धर्म की सर्वोत्तम परिभाषा 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' को सशक्त आधार प्रदान करती हुई निर्दोष पीड़ित पक्ष को संरक्षण देती है। धर्म की रूढ़ियाँ धृतराष्ट्र और दुर्योधन आदि के लिए दृढ़-कवच प्रदान करती हैं; ढाल बनती हैं। वे यह भली-भांति जानते हैं कि धर्मपालन की स्वनिर्मित रूढ़ियों में बंधे भीष्म और द्रोण जैसे महारथी प्रत्येक परिस्थिति में उनका ही साथ देंगे और इन महावीरों के रहते प्रतिपक्षी पाण्डवों की विजय के लिए कोई संभावना शेष नहीं रह जाती। कदाचित उन्हें यह भी विश्वास था कि धर्म-पालन के रुढ़ फंदे में फंसे पाण्डव-- विशेषतः युधिष्ठिर कथित एवं प्रचलित युद्धनीति से अलग हटकर कभी युद्ध नहीं करेंगे; वे गुरुजनों पर शस्त्र कभी नहीं उठाएंगे और युद्ध कभी होगा ही नहीं। शकुनि के प्रपंचों से उन्हें अनन्तकाल तक अधिकार-वंचित और अपमानित जीवन जीने को विवश बनाया जा सकता है। कौरव और उनके हितैषी यह अनुमान लगाने में विफल रहे कि युगपुरुष महामानव श्री कृष्ण युद्ध की प्रचलित तथाकथित धर्मनीतियों से अलग हटकर भी धर्म के नए प्रतिमान रच सकते हैं। श्रीकृष्ण ने भीष्म-द्रोण-कर्ण और दुर्योधन के संदर्भ में युद्ध के धर्म को नयी दिशा दी क्योंकि उसके बिना अधर्म, अन्याय और अपराध का अंत असंभव था। महाकवि दिनकर ने 'रश्मिरथी' में कर्ण-वध के अवसर पर कृष्ण-अर्जुन संवाद में धर्म

प्रतिस्पर्धा, प्रतिष्ठा और प्रदर्शन के लिए कितनी अमानवीय हिंसाएं

शुरू से ही मानव ने विकास किया और उसके पास मति /बुद्धि/विवेचना /ज्ञान का होने से अजीर्ण होना शुरू हुआ और वह विवेक हीन होना शुरू हुआ ।मानव का विकास में मानवीय गुणों का होना अनिवार्य हैं अन्यथा वह जानवर से भी बुरा हैं। साक्षर जब बिगड़ता हैं तब वह राक्षस बन जाता हैं। मानवीयता का आभाव राक्षसी प्रवत्ति का घोतक हैं। मानव में पाप और कषाय यानी हिंसा ,झूठ ,चोरी कुशील परिग्रह (पंच पाप) क्रोध मान माया लोभ (चारकषायें) इनके ऊपर पूरा व्यापार या जीवन चल रहा हैं ।जबकि जिसने जन्म लिया हैं उसे निश्चित ही मरना हैं ।कब कहाँ कैसे यह नहीं मालूम ।इसके अलावा कोई भी अपने साथ कुछ भी नहीं ले जा सकता ,न गया और न ले जायेगा ।संसार में सब वस्तुए अनित्य हैं ,कोई भी शाश्वत नहीं हैं और संसार दुखों का घर हैं और हर व्यक्ति राग या द्वेष के वशीभूत दुखी हैं ।उसे सुखाभास होता हैं पर वास्तविक सुख हैं ही नहीं या बहुत क्षणिक होता हैं ।इस काल में कई लोगों के पुण्य या पाप के उदय से बहुत लाभ हुआ और बहुत अधिक धन कमाया ।यह पुण्य पर्व था और आगे भी आएगा ।पर अनैतिक धन कमाने वालों को इस पर ध्यान नहीं गया की इस क्षण जहाँ जन मानस को सहयोग की अपेक्षा थी उसी दौर में शोषण कर अंतहीन धन सामग्री कमाई ।पर इसका प्रतिफल क्या होगा ।हर जीव के पीछे कर्मोंकी रिकॉर्डिंग लगातार चलती रहती हैं उसमे कोई डिलीट नहीं होता और न वहां दलील ,वकील और अपील होती हैं ।इतिहास पुनार्वृति करता हैं ।आज आपने शोषण किया कल आपका भी शोषण होगा ।समय कभी एक सा नहीं होता ।इस दौरान इस धरा पर सब धरा रह गया । इस समय एक देश में सत्ता हथियाने के लिए कितना घिनोना खेल खेला जा रहा हैं ।लगभग २० वर्षों में दो लाख चालीस लाख जाने गई और विगत १० वर्षों में ११ हजार महिलाएं और बच्चे मारे गए यह कल्पना से परे की बात हैं ।मरने वालों में कौन कौन किस किस का नाते रिश्तेदार रहा होगा ।सरकार मात्र आंकड़े बताती हैं जिसका घर का सदस्य मरता हैं उसका खालीपन कौन भर सकता हैं ।मात्र एक बासी कुर्सी के लिए ।जिसके कारण सब प्रकार के पाप किये जा रहे हैं और कष्यों के कारण कितनी आत्मा पतित हो रही होगी और अभी भी कत्लेआम ।बलात्कार लूट खसोट की जा रही हैं ।हिंसा के तांडव से सब भयभीत हैं और आशंका में डूबे हैं ।अपना घर वतन छोड़कर भाग रहे हैं ।जिन्दा रहेंगे तो कमा लेंगे और मर गए तो क्या होगा । जिनको सत्ता की भूख हैं वे प्रतिष्ठा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं ।प्रदर्शन यानी उनके पास कितनी शक्ति हैं जिसके बल पर सत्ता पर काबिज होने और प्रतिस्पर्धा अपने निजियों से ही हैं और वे ही जान के दुश्मन बनेगे ।सत्ता का हस्तांतरण इतना घिनौना अमान्य हैं ।जिसकी नीव हिंसा और कषाय पर पडी हैं वहां कितनी शांति सुरक्षा और सुख होगा ।हम कैसे अपने आपको सभ्य या विकसित माने ।बड़ी मछली छोटी मछली को निगलना चाहती हैं या निगलती हैं ।यह समझना जरुरी हैं की इतने सब कुछ करने के बाद में स्थीयी रूप से क्या हासिल होगा । वर्तमान में विश्व तीन लॉबी पर चल रहा हैं --पेट्रोल (तेल) ,दवा (फारमा)और आर्म्स (हथियार)ये सब युध्य के मुख्य कारक बने हैं और मातस्य न्याय का पालन हो रहा हैं और हर कोई अवसर की तलाश में हैं और कोई सुरक्षित नहीं हैं ।ये सब पद बहुत जहरीले और खून से रंगे हाथ वाले होते हैं और जब कोई भी बलवान हुआ उसने निर्बल को अपने पाश में लिया । आज भी इतनी विभीषिका के बाद भी यदि धरम यानी अहिंसा ,सत्य अचौर्य ,ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे व्रतों का पालन नहीं किया तो इस के ग्रास सबको बनना होगा ।कोई पहले या बाद में ।जब तक एक दूसरे के भावों या विचारों का आदर करना नहीं सीखेंगे तब तक सुख शांति मिलना असंभव ही होगा ।युध्य का युद्ध से करना मूर्खता हैं ।युध्य का मार्ग वार्ता से निकलता हैं ।कौन कितने वर्ष तक जियेगा अधिकतम १०० वर्ष वह भी नियति द्वारा निर्धारित हैं ।सब अपने अपने पुण्य और पाप के ठाठ में हैं और सब पराधीन हैं ।कोई भी स्वतंत्र नहीं हैं ।और सभी एक दूसरे के पूरक और उपकारी हैं, कोरी प्रतिस्पर्धा ,प्रतिष्ठा और प्रद्रशन से कोई लाभ नहीं हैं । शांति से जियो और जीने दो । मानवता से मानवता घटने से अमानवीयता आएगी। साक्षर बिगड़ेगा तो वह राक्षस ही बनेगा आज उनको देखो वे शैतान दिखते हैं पर पीड़क बने हैं निहथ्थों को मारकर क्या मिलेगा जानवर वहशीपन कब तक रहोंगो /बनोगे अंत में आदमियत ही बनना होगा आदर दोंगे आदर मिलेगा कभी न कभी सवा सेर मिलेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

खबर एक नजर

ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया का गुरुग्राम में अभिनंदन

संवाददाता, गुरुग्राम। ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया का गुरुग्राम में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सुधीर सिंगला की पत्नी सुनीता सिंगला ने शिरकत की। उन्होंने रवि दहिया का सम्मान करते हुए देश-प्रदेश के हर खिलाड़ी को उन्हें प्रेरणा स्त्रोत मानने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रवि दहिया और सभी ओलंपिक पदक विजेता देश की शान हैं। देश के असली हीरो हैं। यहां शीतला माता मंदिर की पार्किंग में आयोजित यह सम्मान समारोह शीतला एंटरप्राइजेज संस्थान व गुडगांव गांव की ओर से किया गया। जैसे ही रवि दहिया ने कार्यक्रम में पदार्पण किया। युवा हो या बुजुर्ग, सभी ने उनके जयकारे लगाने शुरू कर दिए। माता शीतला का आशीर्वाद सदा उन पर होने की कामना यहां सभी ने की। संस्था व ग्रामीणों की ओर से ओलंपियन रवि दहिया को एक लाख रुपये देकर सम्मानित किया गया। उनके साथ आए कोच व एक अन्य पहलवान का भी 11-11 हजार रुपये देकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीता सिंगला ने कहा कि हरियाणा खिलाडियों की खान बन चुका है। यहां से हर बड़ी प्रतियोगिता में खिलाड़ी जाते हैं और मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भी खिलाडियों के सम्मान में कोई कसर नहीं छोड़ रही। सभी ओलंपिक पदक विजेताओं को करोड़ों रुपये देकर सम्मानित किया गया है। उन्होंनें बच्चों व युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने आदर्श के रूप में देश के इन असली हीरो को देखें। उनकी सफलता का अनुसरण करें और अपने जीवन को भी उन्हीं के जैसा बनाएं। खेल चाहे कोई भी खेलें, लेकिन अपने इन सीनियर खिलाडियों के खेल के साथ इनके आचरण, इनके जीवन से भी शिक्षा लें। पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया, पार्षद दिनेश सैनी, जुगल रैनी ने भी रवि दहिया का स्वागत किया।इस अवसर पर आयोजकों में नवीन कुमार, दविंद्र कटारिया, महा सिंह, जसबीर कटारिया, अजीत कटारिया, रमेश कटारिया, राजेश शर्मा, सुरजीत सैनी, प्रीतम कुमार, संदीप शर्मा, मनीष सैनी, रॉकी, संजीश, नरेश कुमार, राजू कटारिया समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए सरकार विभिन्न योजाओं को चला रही है -उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह

» (एजेंसी)

नूंह/मेवात। जिला उपायुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 के दौरान फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु इन सीटू क्रॉप रेजीडयू मैनजमेंट स्कीम के तहत 50 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान राशि व्यक्तिगत लाभार्थी किसान हेतु व 80 प्रतिशत या अधिकतम अनुदान कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापना हेतू कृषि यन्त्र अनुदान पर दिये जा रहे हैं। कृषि यन्त्र लेने के इच्छुक किसान कृषि तथा किसान कल्याण विभाग हरियाणा की साईट पर 7 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि किसान आवेदन करते समय 2.5 लाख से कम अनुदान राशि वाले कृषि यन्त्र के लिए 2500 रुपए व 2.5 लाख से अधिक अनुदान राशि वाले कृषि यन्त्र के लिए 500 रुपये की बुकिंग राशि ऑनलाईन जमा करवानी होगी।किसान द्वारा आवेदित कृषि यन्त्र पर पिछले 2 वर्षों के दौरान 2019-20 व 2020-21 में किसी भी स्कीम मे अनुदान का लाभ न लिया हो। व्यक्तिगत किसान हेतू आवेदन के लिए वांछित कागजात ट्रैक्टर की आरसीए, पैन कार्ड ,आधार कार्ड, बैंक खाता का विवरण बुकिंग राशि की रसीद, जमीन का विवरण, मेरी फसल मेरा ब्यौरा रसीद व अनुसूचित जाति से सम्बन्धित किसानों के लिए जाति प्रमाणपत्र लगाना अनिवार्य है। व्यक्तिगत किसान द्वारा अधिक से अधिक 3 कृषि यन्त्रो पर आवेदन किया जा सकता है। अनुदान का लाभ लेने हेतू मेरी फ सल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। वहीं, जिला उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि प्रदेश का चहुंमुखी विकास ग्रामीण विकास से संभव है और इसी अवधारणा के साथ सरकार की ओर से ग्राम दर्शन पोर्टल का आगाज किया है। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से पंचायती राज व्यवस्था की कार्यशैली में और अधिक पारदर्शिता आएगी।उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया-डिजिटल हरियाणा के तहत प्रदेश में ग्राम दर्शन पोर्टल की शुरूआत ग्रामीण विकास की दिशा में अहम कदम है। ग्रामीण विकास को केंद्रित ग्राम दर्शन पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक को अपने गांव की सही व पूरी जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि एचटीटीपीएसरूग्राम दर्शन.हरियाणा.जीओवी.इन पर संपूर्ण जानकारी साझा की जा सकती है। उपायुक्त शक्ति सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रत्येक गर्भवती महिला को जच्चा बच्चा स्वास्थ्य संबंधी शर्तें पूरी करने पर गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान करवाने वाली महिलाओं के खाते में सीधे 5000 रुपए की नकद राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक गर्भवती महिला को यह राशि प्रोत्साहन स्वरूप तीन किस्तों में सीधे उनके खातों में पहुंचाई जाएगी। इसके लिए गर्भधारण के समय महिलाओं को संबंधित आंगनवाड़ी केंद्र , स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में महिला का पंजीकरण कराने पर 1000 रुपए की पहली किस्त जो कम से कम एक प्रसव पूर्व जांच कराने पर तथा गर्भधारण के 6 माह बाद दूसरी किस्त 2000 रुपए की व बच्चे के जन्म का पंजीकरण कराने पर और बच्चे को बीसीजी ,ओवीपी ,डीपीटी और हेपेटाइटिस बी या इसके समतुल्य टीकाकरण करवाने पर 2000 रुपए की तीसरी किस्त उनके खाते में डाली जाएगी।

गरिमा सभ्रवाल व तनिष्का सभ्रवाल ने अपने मनमोहक डांस के अंदाज से सबको आकर्षित व मोहित कर दिया

» (एजेंसी)

गरिमा सभ्रवाल व तनिष्का सभ्रवाल ने अपने मनमोहक डांस के अंदाज से सबको आकर्षित व मोहित कर दिया ' आने वाली जन्माष्टमी के लिए लेडी फ्लोरेंस कन्वेंट स्कूल सोहना में बच्चों का कार्यक्रम चल रहा है इसमें सभी बच्चे अपनी कला के अनुसार प्रदर्शन कर रहे थे कोरोना के चलते पाँचवी कक्षा तक ऑनलाइन कक्षा ही चलती है ' इसी को ध्यान में रखते हुए (यू के जी) क्लास की टीचर श्रीमती नितिन शर्मा जी ने ने (यू के जी) कक्षा के बच्चों के लिए जन्माष्टमी प्रोग्राम का आयोजन करवाया ' जिसमें सभी बच्चों ने भाग लिया ' जिसमे सभी बच्चों ने बहुत ही अच्छे ढंग से (यू के जी) कक्षा के बच्चों ने प्रदर्शन किया जिसमें से तनिष्का सभ्रवाल ने भी राधा रानी के रूप में डांस किया उसी प्रकार चौथी कक्षा में गरिमा सभ्रवाल ने भी डांस किया व उनके कक्षा की टीचर श्रीमती प्रीति यादव जी ने भी हर एक बच्चे को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया' पिछली बार तीसरी कक्षा मे भी अपने अच्छे अनुशासन व शिक्षा के कारण गरिमा सभरवाल अपनी कक्षा मे प्रथम स्थान पर रही थी ' जिसके कारण टीचर प्रीति यादव जी ने पेरेंट्स टीचर मीटिंग मे गरिमा सभ्रवाल के पिता सुनील सभ्रवाल व माता कविता सभ्रवाल को गरिमा सभ्रवाल की पढ़ाई के प्रति रुचि को बताते हुए आभार व धन्यवाद व्यक्त किया ' उनके माता- पिता ने भी बताया आसपास के इलाके में लेडी फ्लोरेंस कन्वेंट जैसा बढ़िया स्कूल नहीं है स्कूल टीचर बहुत ही मेहनती हैं ऑनलाइन क्लास होने के बावजूद भी टीचर के बदौलत ही बच्चे पढ़ाई में अव्वल है व दिल लगाकर पढ़ते है।

हरियाणा में लाठीचार्ज का किसान नेताओं ने किया विरोध

» (एजेंसी)

बुहाना। हरियाणा के करनाल के बसताडा टोल प्लाजा पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों पर बर्बर पुलिस लाठीचार्ज के खिलाफ अखिल भारतीय किसान महासभा के रविवार के राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत अखिल भारतीय किसान महासभा ने बुहाना तहसील कार्यालय के सामने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर का पुतला दहन कर खट्टर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों पर लाठीचार्ज के लिए असंवैधानिक तरीके से सर फोडने के लिए लाठीचार्ज का निर्देश देने वाले एस डी एम आयुष सिन्हा को बर्खास्त करने, गिरफ्तार किसानों को रिहा करने की मांग की । विरोध प्रदर्शन में अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव रामचंद्र कुलहरि, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्राज सिंह चारावास, सुरजभान ठोठी, प्रखंड अध्यक्ष रामकुमार यादव, भाकपा माले के एरिया सचिव रामलाल कुमावत, इंकलाबी नौजवान सभा के वासुदेव शर्मा, रामेश्वर मैनाना, प्रेम सिंह नेहरा, हरी सिंह वेदी, रामचंद्र नेहरा,जसवीर लांबी, राजेश शर्मा,सुरेश यादव, रामकुमार पंच झारोडा,मानसिंह, बजरंग शर्मा,सज्जन पालोता, सुखबीर खटाना,राजवीर ठोठी शामिल थे । इस अवसर पर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि तीनों कृषि काले कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सरहदों पर आंदोलन को चलते हुए 9 महीने से ज्यादा समय हो चुका है केंद्र की मोदी सरकार व हरियाणा की खट्टर सरकार आंदोलन को दमन से कुचलना चाहती हैं यु पी के मुजफ्फरनगर में 5 सितंबर को प्रस्तावित किसान महापंचायत से ध्यान हटाने के लिए खट्टर सरकार कुचक्र चला रही है लेकिन देश का किसान केंद्र व भाजपा शासित राज्य सरकारों द्वारा किसान आंदोलन के खिलाफ चलाये जा रहे हर शडयंत्र को नाकाम करते हुए तीनों कृषि कानूनों के निरस्त होने तक आंदोलन जारी रखेंगे । पच्चीस सितंबर के भारत बंद को ऐतिहासिक रूप से सफल करेंगे।

जिले में बने ऑक्सीजन प्लांटों पर हो रही है ट्रेनिंग

» (एजेंसी)

पलवल। भविष्य में कोविड-19 की बीमारी से बचने के लिए, ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा करने के लिए, जिले के सामान्य अस्पताल में लगे ऑक्सीजन प्लांटो के रखरखाव व रिपेयर के लिए दिनांक 31-8 -2021 से 01-9 -2021 तक आईटीआई पलवल के अनुदेशकों को ट्रेनिंग दी जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए आईटीआई पलवल के प्रधानाचार्य कम नोडल आफीसर ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा ने हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों के सामान्य अस्पतालों में बन रहे ऑक्सीजन प्लांट के लिए जिले की नोडल आईटीआई से कुछ अनुदेशक ऑक्सीजन प्लांट की ट्रेनिंग के लिए मनोनीत किए थे कजिसके अनुसार उनको भारत सरकार द्वारा ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जा चुकी है। जिन अनुदेशकों ने ऑक्सीजन प्लांटों की ट्रेनिंग ली थी, उन अनुदेशकों द्वारा जो छात्र ऑक्सीजन प्लांट में ट्रेनिंग के लिए चयनित किए गए थे, उन छात्रों को उन अनुदेशकों द्वारा ट्रेनिंग दे दी गई है। अब यह अनुदेशक प्रैक्टिकल तौर पर जिले के सामान्य अस्पताल में जाकर ऑक्सीजन प्लांटों में ट्रेनिंग लेंगे कऔर दिनांक 02-9-2021 से 08-09-2021 तक उन चयनित छात्रों को ऑक्सीजन प्लांटों में ही ट्रेनिंग दी जाएगी। भविष्य में कोविड-19 की बीमारी में ऑक्सीजन की जरूरत के लिए बने ऑक्सीजन प्लांट में अनुदेशकों द्वारा छात्रों को ऑक्सीजन प्लांट को चलाने एवं रखरखाव की ट्रेनिंग दी जा रही है कऔर किसी भी प्रकार से भविष्य में ऑक्सीजन की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

कृषि मंत्री ने गुरुग्राम में आयोजित किए जा रहे खेलो हरियाणा कार्यक्रम में विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

» (एजेंसी)

गुरुग्राम। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने आज गुरुग्राम में 'खेलो हरियाणा' के समापन अवसर पर स्थानीय नेहरू स्टेडियम में शिरकत की और विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित करते हुए उन्हें हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों की रिफ्रेशमेंट आदि के लिए 2 लाख देने की भी घोषणा की। इस मौके पर श्री जेपी दलाल ने कहा कि मेजर ध्यानचंद एक साधारण से परिवार से संबंध रखते थे और हॉकी के बहुत ही अच्छे खिलाड़ी थे। वे इतने बेहतरीन खिलाड़ी थे कि कई बार लोग उनकी हॉकी स्टिक चेक करवाते थे कि कहीं इसमें कोई जादू तो नहीं है । उन्होंने बच्चों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह उम्र बच्चों के खेलने कूदने और पढ़ने लिखने की है, ऐसे में जरूरी है कि बच्चे खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग ले। उन्होंने कहा कि हरियाणा के बच्चे बहुत ही सौभाग्यशाली हैं क्योंकि प्रदेश की खेल नीति को देश में सबसे अच्छा माना जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा के बच्चे भविष्य में भी इसी प्रकार ओलंपिक, एशियाई व पैरालंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए दुनिया में हमारे देश प्रदेश का नाम इसी प्रकार रोशन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हर संभव खेल सुविधा देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा क्रिकेट के ग्राउंड, हॉकी के एस्ट्रोटर्फ सहित कई अन्य खेल सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले के समय में खेल सुविधाओं में काफी कमी होती थी और खेल सुविधाओं के लिए दूर जाना पड़ता था लेकिन आज प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के खिलाड़ी हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे जीवन में जो भी करें पूरे कमिटमेंट व जुनून के साथ करें। जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है ,जरूरत है तो केवल कड़ी मेहनत व दृढ़ इच्छाशक्ति की। गौरतलब है कि खेलो हरियाणा प्रतियोगिता के दौरान गुरुग्राम जिला में चार प्रतियोगिताएं नामतः तीरंदाजी, हैंडबॉल, तैराकी, कब्बडी आयोजित की गई ।इन प्रतियोगिताओं में प्रदेश के 22 जिलों के *लगभग 1700 खिलाड़ियों* ने भाग लिया । तीरंदाजी व हैंडबॉल प्रतियोगिता ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित की गई जबकि तैराकी प्रतियोगिता सेक्टर- 29 स्थित जिमखाना क्लब तथा कबड्डी प्रतियोगिता स्थानीय नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई थी।

मुख्यमंत्री ने एडवोकेट विजय चोपड़ा के निधन पर किया शोक प्रकट, परिजनों को दी सांत्वना

» (एजेंसी)

करनाल। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को एडवोकेट विजय चोपड़ा के निधन पर सेक्टर -13 स्थित उनके निवास स्थान पर पहुंचकर गहरा दुख प्रकट किया और दिवंगत विजय चोपड़ा के पिता केयर सिंह चोपड़ा व अन्य परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि परिवार को यह असहनीय दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे। इस मौके पर घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण, भाजपा के जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा, मेयर रेनू बाला गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, स्वच्छ भारत मिशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र, नगर पार्षद वीर विक्रम, जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त निशांत कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर रात को परिजनों ने थाने के समक्ष शुरू किया धरना, सुबह मुख्य आरोपी गिरफ्तार

» (एजेंसी)

लोहारू थाना परिसर के सामने धरने पर बैठे ग्रामीण व परिजन।

लोहारू। गत 21 अगस्त को लोहारू बस स्टैंड पर गांव बिठन निवासी एक युवक पर हमला कर घायल किए जाने के मामले में जिन आरोपियों को पुलिस एक सप्ताह बाद भी गिरफ्तार नहीं कर पाई थी उस आरोपी को पुलिस ने पीड़ित युवक के परिजनों द्वारा अनशन शुरू किए जाने के तुरंत बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ध्यान रहे कि पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करने से खफा होकर बिठन के ग्रामीणों ने युवक के परिजनों के साथ मिलकर लोहारू पुलिस थाने के समक्ष प्रदर्शन किया तथा शनिवार सायं 7 बजे सामाजिक कार्यकर्ता अनिल चैहड़ आरोपियों की गिरफ्तारी न होने तक आमरण अनशन पर बैठ गए। अनशन पर बैठे युवक के पिता महेंद्र सिंह, बिजेंद्र खरकडी, अनिल चैहड़ ने बताया कि दीपक ने हमले से करीब तीन दिन पूर्व ही लोहारू में कोचिंग सेंटर ज्वाइन किया था। गत 21 अगस्त को गांव सोहांसड़ा निवासी युवकों ने दीपक को लोहारू बस स्टैंड पर उतारकर उसके साथ मारपीट की तथा उसके दांत तोड़ दिए। मामले में पुलिस को शिकायत दी गई परंतु पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि पुलिस उन्हें कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन दे रही है तथा आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि जब तक पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करेगी व उन्हें न्याय नहीं मिलेगा तब तक उनका धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं मामले में थाना प्रभारी करीब 10 बजे धरनारत ग्रामीणों व परिजनों के पास पहुंचे तथा उन्हें दो दिन के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया तथा पानी पिलाकर अनशन समाप्त करवाया। ग्रामीणों व परिजनों ने चेतावनी दी कि यदि तय सीमा में आरोपी गिरफ्तार नहीं किए गए तो वे मजबूरन पुनः अनशन करेंगे। वहीं इस घटनाक्रम के तुरंत बाद पुलिस ने चुस्ती दिखाई तथा हमले के मुख्य आरोपी चीनू को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी पवन कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस ने हमले के मुख्य आरोपी चीनू को गिरफ्तार कर लिया है तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है तथा जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गावो की पंचायती भूमि में बड़ा टैंक बनाकर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली से पहुंचाया जाएगा खेतो में नहरी पानीः चीफ इंजीनियर

» (एजेंसी)

- कृषि मंत्री ने गत दिनों विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न गांवों का दौरा करके दिए थे निर्देश
- स्कीम की जानकारी के लिए लोहारू में होगा सेमीनार का आयोजन जिसमें भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, हिसार, सिरसा जिलों के किसानों को किया जायेगा शामिल

बहल/सिवानी। प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल के निदेर्शानुसार सरकार की हर खेत को पानी तथा हर घर को नल से जल योजना को क्रियान्वित करने के लिए एमआई काडा विभाग के चीफ इंजीनियर विजेंदर सिंह ने लोहारू क्षेत्र के बुद्धशैली, मंढोली खुर्द, मिट्ठी, चेहड कलां, बरालू तथा पहाडी गाँवों का दौरा किया। इस दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत मिकाडा विभाग को इन छः गाँवों में पंचायती जमीन में बड़ा टैंक बनाकर नजदीकी नहर से टैंक में पानी भरकर उस क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई द्वारा सिंचाई करने की योजना बनाई है। चीफ इंजीनियर ने बताया कि विभाग ने इसके लिए कार्यवाही करते हुए जो स्कीम के प्रावधान के तहत पंचायती जमीन को चिंहित करना, पंचायतों द्वारा सहमति पत्र लेना व किसानों की सिंचाई समिति बनाकर रजिस्टर करवाना तथा स्कीम को ऑनलाईन करवाने की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। इन 6 गाँवों की योजना को शीघ्र ही प्रशासनिक मंजूरी के लिए सरकार को भेज दिया जायेगा। एमआई काडा विभाग ने मौजूद किसानों को सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान द्वारा पानी का टैंक बनाने, सोलर सिस्टम लगाने, माइक्रो इरीगेशन उपकरणें पर विभाग द्वारा सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने कहा कि कम पानी में सूक्ष्म सिंचाई बेहद कारगर है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली को अपनाएं, यह पद्दति जल संरक्षण में बेहद कारगर है।इस योजना के लिए आवेदन करने के लिए किसान किसी भी सीएससी या कॉडा कार्यालय के माध्यम से अथवा स्वयं भी पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। मुख्य अभियंता विजेंद्र सिंह ने बताया कि स्कीम के बारे में और ज्यादा जागरूक करने के लिए निकट भविष्य में लोहारू में आईटी द्वारा सेमीनार का आयोजना किया जाएगा जिसमें भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, हिसार, सिरसा जिलों के किसानों को शामिल किया जायेगा ताकि इस योजना की विस्तार से जानकारी दी जा सके। उल्लेखनीय है कि विगत 30 जुलाई को कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कृषि एवं सिंचाई विभाग के एसीएस देवेंद्र सिंह, काढा के प्रशासक एवं सिंचाई विभाग के विशेष सचिव पंकज, उपायुक्त जयबीर ्षसह आर्य, सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर डॉ. सतबीर कादयान, काढा के चीफ इंजीनियर बिजेंद्र सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ गांव बुद्धशैली, मंढोली खुर्द, मिळी व चहडकला ,पहाड़ी गांव में सोरा डिस्ट्रीब्यूटर ,बुड्ढेडी माइनर , झुप्पा कनाल पर बरालु व ढाणी अहमद गांव का दौरा किया था इस दौरान श्री दलाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा था कि लोहारू रेतीला व रेगिस्तानी क्षेत्र है। यहां पर भूमिगत जल भी नीचे है और अनेक गांव ऐसे हैं जहां पानी के अभाव में खेती प्रभावित हो रही है। उन्होंनेकहा था कि गांवों में शूक्ष्म सिंचाई की ऐसी योजना तैयार की जाए, प्रत्येक गांव में कम से कम एक हजार एकड़ भूमि की सिंचाई की जा सके। उन्होंने निर्देश दिए थे कि गांवों के जोहड़ों में टैंक बनाकर बरसाती पानी पहुंचाया जाए, सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से जरूरत के समय प्रयोग किया जा सके और सिंचाई के पानी के साथ-साथ लोगों के स्वच्छ पेयजल भी उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने कहा कि लोहारू क्षेत्र में पेयजल से संबंधित निमार्णाधीन सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा था कि किसान के खेत तक समुचित पानी पहुंचाना मुख्य उद्देश्य है ताकि किसान की पैदावार बढ़े, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि किसान की आमदनी दोगुनी करने के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। दौरे के दोरान कार्यकारी अभियंता अश्वनी सुहाग, उपण्मडल अधिकारी मुकेश कुमार, जेई मनीष कुमार व प्रवीन कुमार एवं बीर सिंह पटवारी , सीपी गुप्ता, मंडल प्रधान कैप्टन रामफल श्योराण, अरुण खरखड़ी,नरेंद्र आर्य,बंटी तायल, पूर्व चेयरमैन अनिल झाझरिया, सोनू मीठी,सुनील थेबड़,संजय रहड़,संदीप गढ़वा, नंबरदार देवेंद्र पवार,सतबीर चैहड़,सोनू शर्मा सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

सीएम ने बालाघाट में पीएम स्वनिधि योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा

गरीबों के विकास में सरकार नहीं छोड़ेगी कोई कसर

योजना के 50 हजार हितग्राहियों के खाते में 50 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर की

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश सरकार गरीबों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। साथ ही जन-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों का जीवन-स्तर बेहतर बनाया जा रहा है। विकास का प्रकाश गरीबों तक पहुंचाने के लिए सरकार संकल्पित है। हम गरीबों के समावेशी विकास तथा सबका साथ-सबका विकास की अवधारणा पर चल रहे हैं। प्रदेश में गरीबों के लिए रोटी, कपड़ा, मकान के साथ पढ़ाई-लिखाई और दवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। गरीबों के विकास में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री रविवार को बालाघाट में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रथम एवं द्वितीय किस्त वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 50 हजार हितग्राहियों के खाते में 50 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। चौहान ने स्वनिधि योजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ भी किया। योजना के द्वितीय चरण में हितग्राहियों के खाते में ब्याज मुक्त 20-20 हजार रुपए की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना कोविड संकट के दौरान प्रभावित होने वाले छोटे व्यापारियों के लिए संजीवनी बनी है। उन्होंने कहा कि स्वनिधि योजना से मिलने वाली सहायता राशि से छोटे व्यापारी धीरे-धीरे अपना काम बढ़ा सकते हैं। सरकार सबसे पीछे एवं सबसे नीचे के व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में मप्र प्रथम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में मप्र पूरे देश में प्रथम है। योजना के प्रारंभ में ही लगभग 3.50 लाख हितग्राहियों को 10-10 हजार रुपए की सहायता राशि वितरित की गई थी। आज योजना के द्वितीय चरण के शुभारंभ पर प्रदेश के लगभग 1000 हितग्राहियों को योजना की द्वितीय किस्त 20-20 हजार रुपए प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना का लाभ छोटे वर्ग को निरंतर मिल रहा है। इससे उनके जीवन की गाड़ी कोविड एवं अन्य विपरीत परिस्थितियों में भी चल रही है। चौहान ने कहा कि स्व-सहायता समूहों को कोविड संकट के पूर्व दी जाने वाली मदद को सरकार द्वारा पुनः प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2024 तक सभी गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध करा दिए जाएंगे। गरीबों के विकास में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। आगामी 18 तारीख को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के द्वितीय चरण में पांच लाख नए कनेक्शन दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को आने से रोकने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने सभी से कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने का आग्रह किया। साथ ही टीकाकरण कराने की अपील भी की।

हितग्राहियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लाभान्वित प्रदेश के अलग-अलग जिलों के हितग्राहियों से सजीव संवाद किया। उन्होंने कपड़े का व्यवसाय करने वाले बुरहानपुर के मानिक पवार, सागर के राकेश, गुना के मोनू जाटव, कोठी सतना में सौंदर्य प्रसाधन का छोटा व्यवसाय करने वाली सपना गुप्ता तथा बुधनी में लकड़ी के खिलौने का व्यवसाय करने वाले राकेश गडवाल से संवाद किया।

हितलाभ वितरण भी किया

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को मंच से हितलाभ वितरित किया। उन्होंने बाल हृदय उपचार योजना के लिए चिन्हित हुए बच्चों को भी सहायता राशि के चेक प्रदान किए। जिले के 318 महिला स्व-सहायता समूहों को 4 करोड़ 26 लाख रुपए का क्रेडिट वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कोविड -19 अनुकंपा नियुक्ति योजना के लाभांवित व्यक्तियों से मुलाकात भी की।

योजनाओं के स्टालों का किया निरीक्षण

सीएम चौहान ने कार्यक्रम में विभागों द्वारा योजनाओं की प्रदर्शनी के लिए लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने एक जिला-एक उत्पाद के तहत बालाघाट जिले से चिन्हित उत्पाद और बालाघाट में पैदा होने वाली विभिन्न प्रकार की धान की किस्मों की जानकारी भी ली। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह सागर से सजीव प्रसारण के माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम में खजुराहो सांसद बीडी शर्मा एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा भी वर्चुअल शामिल हुए। राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक एवं प्रदेश की सभी नगरीय निकाय इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअल शामिल हुई।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने राजभवन में लगाया रूद्राक्ष का पौधा

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने रविवार को राजभवन परिसर में स्थित सावित्री निकुंज उद्यान की नक्षत्र नवगृह वाटिका में रूद्राक्ष के पौधे का रोपण किया। उल्लेखनीय है कि रुद्राक्ष के वृक्ष भारत समेत विश्व के अनेक देशों में पाए जाते हैं। यह भारत के पहाड़ी क्षेत्रों तथा मैदानी इलाकों में भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। रुद्राक्ष का पेड़ किसी अन्य वृक्ष की भांति ही होता है, इसके वृक्ष 50 से लेकर 200 फीट तक पाए जाते हैं तथा इसके पत्ते आकार में लंबे होते हैं। रुद्राक्ष के फूलों का रंग सफेद होता है। इस पर लगने वाला फल गोल आकार का होता है जिसके अंदर से गुठली रूप में रुद्राक्ष होता है। पौधरोपण के अवसर पर राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया मेजर ध्यानचंद को नमन

भोपाल। मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास सभाकक्ष में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया। हॉकी के गौरव मेजर ध्यानचंद जी की जयंती खेल दिवस के रूप में मनाई जाती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मेजर ध्यानचंद के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने कभी अभावों और कठिनाइयों को अपने खेल पर हावी नहीं होने दिया। अपने खेल जीवन में 1000 से अधिक गोल दागने वाले महान खिलाड़ी पर हमें गर्व है। वे सदैव देश और दुनिया के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एम्सटर्डम, लॉस एंजेल्स और बर्लिन के ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी रहे, हॉकी के जादूगर, मेजर ध्यानचंद जी ने विषम और विपरीत परिस्थितियों से निरंतर लड़ते हुए अपने खेल से देश एवं दुनिया का हृदय जीता। मध्यप्रदेश में भी राष्ट्रीय खेल हॉकी के खिलाड़ियों को भरपूर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पुरुष और महिला हॉकी से जुड़ी उदीयमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

स्थानीय आजीविका में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व ला रहा है सकारात्मक बदलाव

भोपाल। मध्यप्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व स्थानीय लोगों की आजीविका में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा रहा है। होशंगाबाद जिले में स्थित टाइगर रिजर्व ने छिंदवाड़ा में अशोक लीलैंड प्रशिक्षण संस्थान में बफर और स्थानांतरित गॉव में 60 युवाओं को एक माह का ड्राईविंग प्रशिक्षण उपलब्ध कराया है। एमपी ईकोटूरिज्म बोर्ड के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण के बाद इन युवाओं को ड्राईविंग लाइसेंस के साथ प्रमाणपत्र भी दिया गया, इनमें से अधिकांश युवाओं को प्लेसमेंट भी मिला। यह प्रशिक्षण समुदायों को संरक्षण से जोड़ने का एक प्रयास है। एमपीईटीबी सतपुड़ा टाईगर क्षेत्र के आस-पास के स्थानीय लोगों की आजीविका में बदलाव लाने और बढ़ाने में सक्रिय रूप से मदद कर रहा है।

मप्र पुलिस में खिलाड़ियों के लिए भर्ती प्रक्रिया

भोपाल। खिलाड़ियों के लिए मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष सशस्त्र बल में सीधी भर्ती की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 27 सितंबर है। भर्ती उप निरीक्षक 10 और आरक्षक के 50 पद पर होगी। भर्ती में शामिल होने वाले खिलाड़ियों के लिए कुछ शर्त भी रखी गई है। भर्ती में शमिल होने वाले खिलाड़ी उप निरीक्षक पद के लिए स्नातक और आरक्षक पद के लिए शैक्षणिक योग्यता अनारक्षित, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग के लिए 12वीं और अनुसूचित जनजाति के लिए आठवीं उर्तीण होना चाहिए। इसके अलावा खिलाड़ियों द्वारा हासिल किए पदक बीते तीन वर्ष में मिले हों।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने तैयार किया इस संबंध में प्रस्ताव

अब ग्रामीण सड़कों से भी होगी टोल वसूली

सड़कें बनाने के लिए आमदनी जुटाने की कवायद

भोपाल (एजेंसी)।

वैसे तो मध्यप्रदेश देश के उन राज्यों में शुमार है, जहां सबसे अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है। प्रदेश में अब तक 87 हजार किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण कर लिया गया है, लेकिन अब भी सभी गांवों को बारहमासी सड़कों से नहीं जोड़ा जा सका है। ऐसे में अब सरकार की गांवों की इन सड़कों से आमदनी का नया जरिया निकालने की कोशिश है, जिससे कि नई सड़कों को बनाने के साथ पहले से बनी सड़कों की मरम्मत के लिए राशि जुटाई जा सके। इसके लिए अब प्रदेश की ग्रामीण सड़कों से टोल वसूली होगी। राहत की बात यह है कि ऐसी सड़कों से ही टोल वसूली होगी जिससे कि भारी वाहन गुजरते हैं। इन भारी वाहनों के कारण ही सड़कें खराब होती हैं और बार-बार मरम्मत की जरूरत पड़ती है। इसलिए अब सरकार मरम्मत और निर्माण में सरकारी पैसा लगाने के बाद उन सड़कों से टोल वसूल करेगी। प्रदेश में 4100 किलोमीटर से अधिक ऐसी सड़कें हैं, जिन्हें प्रारंभिक तौर पर ऐसे सड़कों के रूप में चिन्हित किया गया है, जहां भारी वाहनों की आवाजाही बनी रहती है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया है और अब इस पर अमल करने की तैयारी है। मिले संकेतों के मुताबिक इसी वर्ष से इस पर अमल शुरू कर दिया जाएगा। सबसे पहले प्रदेश में ऐसे ग्रामीण सड़कों को चिन्हित किया जाएगा, जहां सबसे पहले टोल वसूली की व्यवस्था को लागू किया जा सकता है। विशेष रूप से ऐसे क्षेत्र जहां कि खनन का काम होता है। वहां डंपर जैसे भारी वाहनों की लगातार आवाजाही बनी रहती है। इन डंपरों के कारण ग्रामीण सड़कों को भारी नुकसान पहुंचता है। इसका खामियाजा ऐसे लोगों को भुगतना पड़ता है जो कि इन सड़कों का नियमित रूप से उपयोग आवागमन के लिए करते हैं। वहां सबसे पहले यह व्यवस्था लागू होगी।

ग्रामीण सड़कों का लेखा-जोखा	
प्रदेश में कुल ग्रामीण सड़कें स्वीकृत	96,114 किमी
अब तक कुल ग्रामीण सड़कों का निर्माण	87,506 किमी
फिर से संधारण योग्य ग्रामीण सड़कें	84,286 किमी
पांच वर्ष की परफार्मेंस गारंटी के दायरे में	25,126 किमी
परफार्मेंस गारंटी की अवधि पूरी करने वाली	63,380 किमी
दोबारा डामरीकरण वाली ग्रामीण सड़कें	38,750 किमी
भारी वाहन वाली ग्रामीण सड़कें	4,103 किमी
भारी वाहन वाली सड़कें जिनको बेहतर बनाया	3837 किमी
सुदृढ़ीकरण पर खर्च राशि	**1642 करोड़ रुपए**

पायलट रूप में होगा लागू

प्रदेश में भारी वाहनों के परिवहन वाले ग्रामीण सड़कों की पहचान करने के बाद यहां सबसे पहले मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण सड़कों को सबसे पहले मरम्मत कर बेहतर बनाने की कोशिश करेगा। उसके बाद यहां टोल की वसूली होगी। इसे पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा। यह इसलिए कि टोल वसूली की स्थिति बनने के बाद स्थानीय लोगों पर इसका असर भी देखा जाएगा। यह भी देखा जाएगा कि ग्रामीणों के बीच इसे लेकर कोई विरोध की स्थिति तो नहीं बनती। यह व्यवस्था लागू होने पर किसानों के परिवहन से जुड़े ट्रेक्टर आदि अन्य उपकरणों को इन सड़कों से बगैर टोल के आने-जाने की सुविधा रहेगी। इसी तरह स्थानीय स्तर पर कार आदि का उपयोग करने वालों को पास की व्यवस्था की जाएगी। कोशिश यह होगी कि केवल भारी वाहनों से ही टोल की वसूली हो। दो पहिया वाहनों पर किसी तरह की रोक नही होगी। इस तरह की सुविधा होने के बाद भी कई बार टोल बूथ पर विवाद की स्थिति बन जाती है। इस पर भी निगरानी रखी जाएगी।

टोल की राशि से बनेंगी सड़कें

प्रदेश में टोल वसूली वाले सड़कों को चिन्हित करने के बाद टोल वूसली से जो राशि मिलेगी, उससे प्रदेश में दूसरी ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इस राशि का उपयोग टोल वसूली वाली सड़क की मरम्मत में भी किया जाएगा, जिससे कि यह सड़कें हर मौसम में आवाजाही के लायक बनी रहे। इससे विभाग को अतिरिक्त आमदनी होगी और सरकार पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाली सड़क के लिए भारी- भरकम राशि का इंतजाम करने का दबाव भी कम होगा।

शुरू में सौ से अधिक सड़कों पर यह लागू होने की संभावना

मिले संकेतों के मुताबिक शुरू में प्रदेश के सभी जिलों की एक या दो सड़कों का चयन टोल वसूली के लिए किया जाएगा। इससे जिले का रिस्पांस भी पता चल जाएगा। ऐसे में शुरुआत में प्रदेश की कम से कम 100 ग्रामीण सड़कों से टोल वसूली होगी। उसके बाद इसका दायरा बढ़ाया जाएगा।

आत्मनिर्भर मप्र के तहत भी मिले हैं सुझाव

राज्य सरकार ने तीन वर्ष की अवधि में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य तय किया है। आत्मनिर्भर मप्र के लिए मंत्रियों की टास्क फोर्स भी बनाई गई थी। उससे पहले आम लोगों और विशेषज्ञों से सुझाव भी लिए गए थे। लिहाजा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को इस तरह के सुझाव भी मिले थे। बाद में विभाग ने इस पर सहमति जताते हुए अनुशंसा में शामिल किया था। अब इन अनुशंसाओं पर अमल की तैयारी है, जिससे कि वर्ष 2023 तक विधासभा चुनाव से पहले प्रदेश के सभी मजरों, टोलों को भी पक्की सड़कों से जोड़ा जा सके।

पीएचक्यू ने 138 पदों पर नियुक्ति का प्रस्ताव शासन को भेजा

भोपाल (एजेंसी)। मप्र पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने उप पुलिस अधीक्षक पद पर नियुक्ति का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा है। मंजूरी मिलने के बाद भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शासन को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार उप पुलिस अधीक्षक के सीधी भर्ती के पद भी अब पदोन्नति से भरे जाएंगे। इससे सीधी भर्ती की उम्मीद कर रहे बरोजगारों को निराशा होगी।

पदोन्नति से भरे जाएंगे उप पुलिस अधीक्षक पद

जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल 200 उप पुलिस अधीक्षक पद रिक्त हैं। इन पदों पर नियमानुसार 50 फीसदी सीधी भर्ती और 50 फीसदी पदोन्नति से नियुक्तियां चाहिए, लेकिन पुलिस मुख्यालय ने इस बार सभी पदों को पदोन्नति से भरने का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि इस प्रस्ताव को शासन भी जल्द स्वीकृति देगा।

यह भी किया जा सकता है: उप पुलिस अधीक्षक पद पर पदोन्नति से नियुक्ति देने में सुप्रीम कोर्ट में चल रहा पदोन्नति में आरक्षण मामला बड़ा रोड़ा बन सकता है और कोर्ट के निर्णय तक नियुक्तियों को टला नहीं जा सकता है। ऐसे में पुलिस मुख्यालय संबधित अधिकारियों को उच्च पद (उप पुलिस अधीक्षक) का प्रभार देकर नियुक्ति कर सकता है। इससे उप पुलिस अधीक्षक के रिक्त 200 पदों पर नियुक्तियां भी हो जाएगी और विवाद भी नहीं होगा।

नक्सल गतिविधियों पर रोक लगाने अलग-अलग कार्य-योजना बनाएं

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बालाघाट जिले के विकास एवं नक्सली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विकासखंडवार अलग-अलग कार्य-योजना तैयार की जाएं। जिससे विकास कार्यों को गति मिलने के साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर सुलभ हो सकें। मुख्यमंत्री ने रविवार को बालाघाट में जन-प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने बालाघाट में जन - प्रतिनिधियों और अधिकारियों की बैठक में कहा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नक्सल गतिविधियों पर रोक लगाने में पुलिस के जवानों ने अच्छा काम किया है। जिले में पुलिस एवं अन्य विभागों में विशेष भर्ती के लिए विचार किया जा रहा है। नक्सल उन्मूलन में जान की बाजी लगाने वाले जवानों को आउट ऑफ टर्न पदोन्नति दी जा रही है। नक्सल प्रभावित विकासखंडों के ग्रामों में सड़क संपर्क, सिंचाई एवं रोजगार पर विशेष ध्यान दिया जाए। पात्र लोगों को प्राथमिकता से वन अधिकार के पट्टे दिए जाएं। प्रदेश सरकार बालाघाट जिले के विकास कार्यों के लिए राशि की कमी नहीं आने देगी।

निवेश को लेकर उद्यमियों से किया संवाद: मुख्यमंत्री चौहान ने उद्यमियों से बालाघाट जिले में निवेश को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों बालाघाट में हुई इन्वेस्टर्स मीट में मैं वर्चुअली शामिल हुआ था। इस मीट में लगभग 4500 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे जिले में 10 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। बालाघाट जिले में बायो फ्यूल एथेनॉल की यूनिट लगाने एवं फैरो मैंगनीज इकाई लगाने पर उद्यमियों ने रूची दिखाई है। चौहान ने कहा कि बिना निवेश के रोजगार एवं विकास नहीं हो सकता है। उद्योगों में निवेश होगा तो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे। बालाघाट जिले में प्राकृतिक रूप से वन एवं खनिज संपदा भरपूर मात्रा में उपलब्ध है और यहां पर इतना अधिक धान उत्पादन होता है कि गोदाम कम पड़ जाते हैं। जिले में एथेनॉल आधारित उद्योग लगेंगे तो धान को रखने के लिए गोदाम की समस्या का भी समाधान करने में मदद मिलेगी और किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा।

महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण: मुख्यमंत्री ने बालाघाट प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा बनाने वाले कलाकार सुनील का शाल ओढ़ाकर सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री ने बालाघाट में 158 करोड़ 56 लाख रूपए की लागत के विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

ऑक्सीजन उत्पादन में दतिया हुआ आत्मनिर्भर : डॉ. मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। दतिया जिला ऑक्सीजन के मामले में आत्म-निर्भर बन गया है। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा जिला चिकित्सालय परिसर में मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि एक करोड़ की लागत से निर्मित किए गए प्लांट से दतिया ऑक्सीजन की आपूर्ति संभाग के अन्य जिलों को भी कर सकेगा।

गृहमंत्री ने एक करोड़ की लागत के प्लांट का किया लोकार्पण

डॉ. मिश्रा ने कहा कि जिले में दो ऑक्सीजन प्लांट शुरू हो चुके हैं। तीसरा प्लांट भी शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। दतिया अन्य जिलों को भी ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में सक्षम बन जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी पूरे प्रदेश में देखी गई। दतिया में पीताम्बरा माई की कृपा से मेडिकल ऑक्सीजन, रेमडेसिविर इंजेक्शन, वेंटीलेटर और अन्य जरूरी दवाओं की कोई कमी नहीं हुई। समय पर लोगों को उपचार मिला और लोग स्वस्थ होकर घर गए।

साहू समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान: गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने दतिया के सीता-सागर गहोई वाटिका में साहू समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि कोरोना की विपत्ति के समय में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर जरूरतमंदों की मदद की है। प्रदेश सरकार भी समाज की प्रतिभाओं का आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है।

कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती पर होंगे आदरांजलि कार्यक्रम

भोपाल, (एजेंसी)। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. कुशाभाऊ ठाकरे के जन्मशताब्दी वर्ष को पार्टी संगठन-पर्व के रूप में मनाएगी और उनकी जयंती पर 30 अगस्त को पूरे प्रदेश में आदरांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के प्रदेश कार्यालय प्रभारी भगवानदास सबनानी ने बताया कि संगठन के शिल्पी स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की जन्मतिथि जन्माष्टमी से प्रारंभ हो रहे, उनके जन्मशताब्दी वर्ष को संगठन-पर्व के रूप में मनाया जाएगा। जन्मशताब्दी समारोह के शुभारंभ के अवसर पर सोमवार सुबह 9 बजे से पार्टी के प्रदेश कार्यालय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। इसके बाद पार्टी के वरिष्ठ नेतागण कार्यालय में स्थापित कुशाभाऊ ठाकरे एवं सभी महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद कुशाभाऊ ठाकरे के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी एवं जन्मशताब्दी वर्ष के अंतर्गत वर्ष भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण होगा। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, पार्टी के प्रदेश प्रभारी पी. मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमाश्री भारती, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, लोकसभा के मुख्य सचेतक व सांसद राकेश सिंह, और प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में होगा जन्मशताब्दी समारोह का शुभारंभ

कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो : कमलनाथ

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इंदौर, देवास और उज्जैन जिले की घटनाओं के संबंध में राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं रोकने वह आवश्यक कदम उठाए।

नीमच जिले की घटना के संबंध में कांग्रेस का जांच दल गठित

श्री कमलनाथ ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि वे सरकार से ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। यदि कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन करे, तो वह किसी भी मजहब का हो, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाना चाहिए। यदि कोई प्रदेश की फिजा खराब करे, तो उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाना चाहिए। ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सरकार आवश्यक कदम उठाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर, देवास और अब उज्जैन जिले के महिदपुर की घटनाएं हमारी गंगा जमुनी तहजीब को बिगाड़ने का कार्य हैं। लगता है कि यह सब किसी खास एजेंडे के तहत किया जा रहा है और राज्य में कानून का माखौल उड़ाया जा रहा है। इस बीच श्री कमलनाथ ने नीमच जिले की घटना के संबंध में जांच के लिए प्रदेश कांग्रेस के नेताओं का एक दल गठित किया है। पूर्व मंत्री कांतिलाल भूरिया के नेतृत्व में चार विधायकों का दल सिंगोली (नीमच) पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर वस्तुस्थिति जानेगा और रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

न्याय मिलने तक नीमच में जारी रहेंगे प्रदर्शन: विक्रांत भूरिया

भोपाल (एजेंसी)। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने नीमच की घटना पर सरकार को चेतावनी देते हुए कार्यवाही की मांग की है। नीमच में एक आदिवासी को गाड़ी से बांधकर खींचने का मामला सामने आया था जिसके बाद वीडियो देश में तेज़ी से फैल गया, इलाज के दौरान पीड़ित आदिवासी की मृत्यु हो गई।

नीमच हिंसा पर दी सरकार को चेतावनी

भूरिया ने बताया कि इस भीड़तंत्र की घटना के 8 में से कई आरोपी अभी तक फ़रार हैं, भूरिया ने यह भी आरोप लगाया कि इस पूरी हिंसा के मामले में भाजपा के सरपंच का नाम भी है जिससे यह प्रमाणित होता है कि ऐसी घटनाएं चरणबद्ध तरीक़े से भाजपा की सरकार द्वारा कराने का काम किया जा रहा है। क्योंकि यह चरणबद्ध तरीक़े से नेमावर, नीमच, इंदौर, देवास में पिछले कुछ दिनों में घटित हुआ है। विक्रांत भूरिया का कहना है कि अगर सारे आरोपियों की गिरफ़्तारी नहीं हुई तो वो पूरे प्रदेश से बड़ी संख्या में आदिवासियों को लेकर नीमच में प्रदर्शन करेंगे जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। भूरिया ने दोषियों को फांसी की मांग करते हुए कहा है कि प्रदर्शन न्याय मिलने तक जारी रहेंगे।

इस वजह से केजीएफ फेम यश ने बदला था अपना असली नाम

सिनेमा में बहुत सालों से ऐसा होता आया है कि सितारों के असली नाम कुछ और होते हैं लेकिन वो स्क्रीन के लिए एक अलग नाम चुन लेते हैं। इनमें दिलीप कुमार, अक्षय कुमार, कियारा आडवाणी जैसे कई सितारे शामिल है। ऐसा सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ही नहीं होता है बल्कि साउथ के रॉकिंग स्टार यश ने भी अपने नाम के साथ ऐसा ही किया है। केजीएफ से घर घर में पहचान बनाने वाले रॉकिंग स्टार यश का असली नाम नवीन कुमार गौड़ा है। हालांकि फिल्मों में आने के बाद उन्होंने नाम बदलकर अपने बचपन का नाम यश रख लिया। इस बात का सुझाव उन्हें फिल्म जगत के कुछ लोगों ने दिया था। इंडस्ट्री के लोगों ने कहा था कि वो अपना स्क्रीन नेम कुछ और कर लें ऐसे में उन्होंने अपने बचपन का नाम यश रख लिया। दिलचस्प बात ये है कि उनके दोस्त उन्हें टाइगर कहकर बुलाते हैं। यश का जन्म कर्नाटक के हसन जिले में हुआ था। बहुत कम लोग ही ये बात जानते हैं कि यश एक मध्यम वर्गीय परिवार से संबंध रखते हैं। यश के पिता अरुण कुमार जे चरस्त्रष्ट ट्रांसपोर्ट सर्विस में काम करते थे। बाद में वह BMTC ट्रांसपोर्ट में ड्राइवर की नौकरी करने लगे। आज भी यश के पिता बस चलाते हैं। उनका मानना है कि इसी काम की बदौलत वह यश को इतना बड़ा बना पाए इसलिए वो ये नौकरी कभी नहीं छोड़ेंगे। यश का सपना था कि वो एक बड़ा नाम बनें। उन्होंने थिएटर नाटकों के साथ एक अभिनेता के रुप में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने कई टेली-सीरियल्स में भी काम किया। वो राधिका पंडित के साथ पहले शो नंदा गोकुला में नजर आए थे। इसके बाद धीरे धीरे उन्हें सफलता मिलने लगी और उन्होंने साल 2008 में कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। फिल्म मोहिना मनसु में वो सहायक किरदार में ही नजर आए लेकिन जबरदस्त अभिनय से उन्होंने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। इसके बाद उनके हाथ लगी फिल्म केजीएफ। इस फिल्म की सफलता ने यश के जीवन के मायने बदल दिए। आज यश फैंस के चहीते स्टार बन चुके हैं। यश बहुत जल्द केजीएफ 2 में नजर आने वाले हैं। इस साल उनके जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था जो दर्शकों को जबरदस्त पसंद आया था। अब इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये फिल्म अगले साल अप्रैल के महीने में रिलीज होगी।

'पठान'

चमका पाएगी शाहरुख खान की किस्मत,दीपिका पादुकोण का लेडी लक आएगा काम?

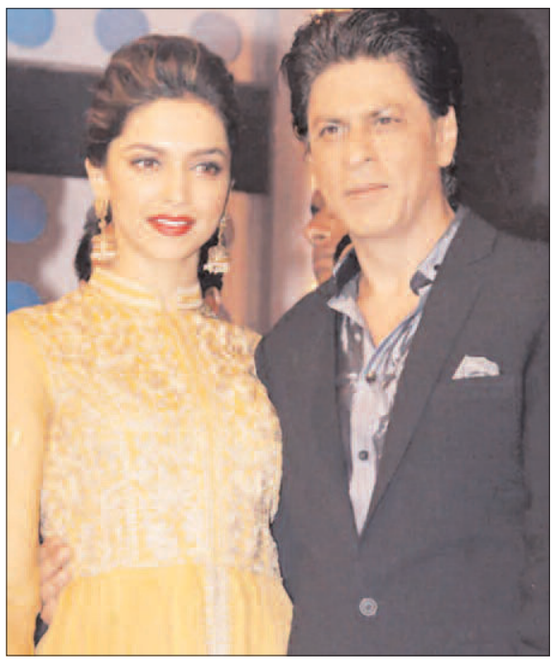

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने करियर की शुरूआत शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से की थी। दीपिका आज बॉलीवुड की सुपरहिट एक्ट्रेस में से एक हैं। शाहरुख खान के साथ उन्होंने कई फिल्में की जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही है। पिछले कुछ सालों से शाहरुख खान की कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन नहीं कर पायी है जिसके कारण शाहरुख खान ने दो साल का बॉलीवुड से ब्रेक लिया। अब वह कमबैक के लिए तैयार है और उनकी आने वाली फिल्म पठान है जिसमें वह दीपिका पादुकोण के साथ दिखाई पड़ेंगे। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अपनी आने वाली फिल्म पठान की शूटिंग स्पेन में करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता वहां एक भव्य गाने की शूटिंग भी करेंगे। यशराज फिल्म्स प्रोडक्शन पठान का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। फिल्म में जॉन अब्राहम भी हैं। जुलाई में शाहरुख खान के साथ पठान की शूटिंग शुरू करने वाली दीपिका पादुकोण फिल्म के आगे के दृश्यों की शूटिंग के लिए स्पेन जाएंगी। एक सूत्र ने हमें स्पेन के शेड्यूल के बारे में बताया और कहा, किसी भी बॉलीवुड फिल्म ने कभी भी इन जगहों पर गाने के सीक्वेंस की शूटिंग नहीं की है। सिद्धार्थ आनंद स्पेन में एक गाने के तमाशे की शूटिंग करेंगे और सभी संभावित लीक को नियंत्रित करने के लिए चीजें पूरी तरह से गुप्त हैं। इरादा एक ऐसा गाना बनाने का है जो देखने में इतना भव्य हो कि यह तुरंत हिट हो जाए। स्पेन में शूटिंग के अच्छे अनुभव के लिए सभी आवश्यक अनुमतियों पर काम किया जा रहा है। सूत्र ने आगे कहा, पठान एक बेहद प्रतीक्षित दृश्य के साथ नाटक बन रहा है जो स्क्रीन पर आग लगा देगा। सिद्धार्थ आनंद और आदित्य चोपड़ा भारतीय सिनेमा को दुनिया के नक्शे पर फिर से परिभाषित करना चाहते हैं और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है।

बॉलीवुड- हॉलीवुड के बीच फंसी

प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर अक्सर एक्टिव रहती हैं। पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाने वालीं प्रियंका ने अपने अभिनय से बॉलीवुड ही नहीं हॉलीवुड में भी काफी नाम कमाया है। यही वजह है कि उनके फोटोज और वीडियोज आए दिन चर्चाओं में बने रहते हैं। अभिनेत्री का ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अभिनेत्री अपनी पसंद बताती नजर आ रही हैं। वीडियो में अलग-अलग चीजों के लिए दो विकल्प रखे गए थे, जिसमें से प्रियंका को किसी एक का चुनाव करना था। इसी क्रम में प्रियंका क्वालिटी-क्वांटिटी के बीच क्वालिटी को चुनती हैं। जबकि हॉट कॉफी और आइस्ड कॉफी के बीच आइस्ड कॉफी को चुनाव करती हैं। हालांकि वह हेयर मास्क और कंडिशनर में से किसी एक को चुनने में फंस जाती हैं। अलग-अलग सवालों का जवाब देने के बाद प्रियंका चोपड़ा सामने हॉलीवुड या बॉलीवुड में से किसी एक का चुनाव करने का विकल्प आता है। इस पर एक्ट्रेस इस सवाल का जवाब देने में फंस में जाती हैं। ऐसे में वह बिना किसी विकल्प का चुनाव किए वीडियो में 'I QUIT' कहती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में भी लिखा कुछ सवालों के जवाब ना ही दो तो बेहतर है। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका इन दिनों के पास सिटाडेल और मैट्रिक्स 4 के अलावा कई अन्य हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। वहीं, बॉलीवुड में वह फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म जी ले जरा में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में वे आलिया भट्ट और कटरीना कैफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इससे पहले एक्ट्रेस प्रियंका ने सोशल मीडिया पर शूटिंग से जुड़ी अपनी तस्वीरें शेयर की थीं। अभिनेत्री की इन फोटोज को देख उनके फैंस को बड़ा झटका लगा था। दरअसल, प्रियंका ने जो तस्वीरें पोस्ट कीं, उन तस्वीरों में उनके चेहरे से खून बहता दिख रहा है। पहले तो फैंस को ये लगा कि प्रियंका ने शूटिंग के लिए इस तरह का मेकअप किया है, लेकिन इन तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा के चहरे पर असली चोटें भी दिखाई दे रही हैं।

लाइमलाइट में शमिता और राकेश की जोड़ी

हर साल छोटे पर्दे पर धमाल मचाने वाला विवादित टीवी रियलिटी शो बिग बॉस का 15 सीजन शुरू हो गया है और हमेशा की तरह इसके कंटेस्टेंट भी काफी सुर्खियों में बने हुए है। बता दें कि कोरोना महामारी को देखते हुए बिग बॉस का सीजन ओटीटी पर शुरू किया गया है और इसे फिलहाल तीन हफ्ते से ज्यादा हो चुका है। शो के कंटेस्टेंट तो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने ही हुए है लेकिन इस बार का सीजन होस्ट कर रहे करण जौहर भी काफी चर्चे में चल रहे है। वहीं आपको बता दें कि बिग बॉस में इस समय शमिता और राकेश की जोड़ी काफी लाइमलाइट में बनी हुई है। जब से बिग बॉस शुरू हुआ है तभी से इन दोनों की जोड़ी एक-दूसरे के साथ है। साथ ही इन दोनों की नजदिकियां भी काफी बढ़ती नजर आ रही है। साथ ही राकेश ने शमिता से काफी चीजे भी शेयर की हैं। उन्होंने शमिता से अपने दिल की बात शेयर करते बताया कि पिता को खोने और रिद्धि डोगरा से तलाक होने के बाद वह बुरी तरह टूट चुके हैं और उनकी इससे जिंदगी में काफी गहरा असर पड़ा है। राकेश ने कहा कि, इस कारण से उन्हें एंजाइटी काफी ज्यादा होने लग गई है और वह दो हफ्तों तक लगातार बिना सोए अपनी रात ऐसे ही निकाल देते थे। उनकी इस हालत से मां और बहन काफी चिंतित रहते थे । राकेश ने बताया कि,वह काफी टूट चुके थे। बिग बॉस के कनेक्शन टास्क में राकेश और शमिता की जोड़ी फिर से एक बार बनीं जिसके बाद से उनके रिश्ते अलग ही सुर्खियों में नजर आ रही है।

रिलीज के बाद से गूगल पर ढूंढे जा रहे बाबर-हुमायूं

डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज हुई वेब सीरीज द एम्पायर इन दिनों काफी चर्चा में है। इसमें कुणाल कपूर, शबाना आजमी, राहुल देव, दृष्टि धामी और डीनो मोरिया मुख्य भूमिका में हैं। द एम्पायर सीरीज एलेक्स रदरफोर्ड के छह ऐतिहासिक उपन्यासों की सीरीज 'एंपायर ऑफ द मुगल' की पहली कड़ी 'राइडर्स फ्रॉम द नॉर्थ' पर आधारित है इसकी शुरुआत पानीपत की पहली लड़ाई 1526 से होती है, जहां बाबर अपनी जिंदगी के सफर को याद कर रहा है। कुणाल कपूर बाबर की दमदार भूमिका में हैं। उनपर यह किरदार काफी सूट कर रहा है। वहीं शबाना आजमी एसान दौलत के किरदार में खूब जंच रही हैं। पानीपत के पहली लड़ाई ने ही भारत में मुगल साम्राज्य की नींव रखी। यह लड़ाई दिल्ली के लोदी वंश के सुल्तान इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच लड़ी गई थी। इस लड़ाई में बाबर ने दिल्ली के सुल्तान इब्राहिम लोदी की विशाल सेना को हराया था। पानीपत के पहले युद्ध ने मुगल साम्राज्य की नींव स्थापित की थी। इस लड़ाई में इब्राहिम लोदी और उनके 15,000 सैनिक मारे गए। बाबर 12 साल की उम्र में राजा बना था और मरते दम तक युद्ध में जुटा रहा। उनकी जिंदगी में उसकी मां बहन और नानी का गहरा असर था। इस सीरीज में बाबर की बहन खानजादा बेगम का किरदार दृष्टि धामी ने निभाया है। बाबर ने भारत पर पांच बार आक्रमण किया। बाबर का उत्तराधिकारी हुमायूं हुआ। हुमायूं का शासन अफगानिस्तान, पाकिस्तान और उत्तर भारत के हिस्सों में रहा। चौसा का युद्ध हुमायूं के जीवन की महत्वपूर्ण घटना है। इस युद्ध में हुमायूं की हार हुई थी। हुमायूं और शेरशाह के बीच यह लड़ाई 26 जून, 1539 को हुई थी। इस युद्ध में हुमायूं अपनी जान बचाने के लिए भाग निकला। सिंध से होते हुए हुमायूं अफगानिस्तान पहुंचा। यहां उसने दोबारा अपनी सेना बनाई। उधर 1554 में इस्लाम शाह को हराकर सिकंदर शाह सूरी ने दिल्ली की गद्दी पर कब्जा कर लिया था। मौका देखकर हुमायूं ने दिल्ली पर चढ़ाई कर दी और दोबारा गद्दी हथिया ली। मुगल ताकतवर थे, पर दोनों तरफ से दुश्मनों से घिरे थे। पूर्व में बिहार और पश्चिम में गुजरात पर अफगानों का कब्जा था। हुमायूं के बाद अकबर आया, उसके बाद उसका पुत्र जहांगीर, उसके बाद शाहजहां और फिर औरंगजेब। अंतिम मुगल शासक बहादुर शाह जफर थे। सभी ने अपने अपने हिसाब से शासन किया। इतिहास में मुगल बादशाहों में जो शोहरत अकबर ने कमाई वो किसी दूसरे मुगल शासक ने नहीं कमाई। मध्यकालीन भारत का एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मुगल बादशाहों और राजपूतों ने मिलकर काम किया। कोई किसी से नहीं हारा। अकबर ने मुगल शक्ति का भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्सों में विस्तार किया। उसने हिंदू-मुस्लिम संप्रदायों के बीच की दूरियां कम करने के लिए दीन-ए-इलाही नामक धर्म की स्थापना की। मुगलों में सबसे कट्टर शासक औरंगजेब को माना जाता है।

सुहाना खान की छुट्टियां हुई खत्म

शाहरुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा करती हैं। सुहाना खान की सोशल मीडिया पर एक अच्छी खासी प्रशंसकों की लिस्ट है। अपनी दोस्त अनन्या पांडे की तरह हालांकि सुहाना खान ने अब तक अपने फिल्मी करियर की शुरुआत नहीं की है। लेकिन सोशल मीडिया पर वो अक्सर अपनी तस्वीरों से लोगों का दिल जीतने में खूब कामयाब होती हैं। शाहरुख खान की लाड़ली अक्सर अपने वैकेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए नजर आती हैं। हाल ही में सुहाना खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने वैकेशन के अंतिम दिन की तस्वीर अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर साझा की है। इस तस्वीर के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को बताया कि उनकी छुट्टियों के कुछ दिन हे बचे हुए हैं। उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, 'अंतिम दिन'। इस तस्वीर के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना ने दिल वाला इमोजी भी पोस्ट किया। सुहाना खान द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई इस तस्वीर में वो सफेद रंग के फूल बाजू के टॉप के साथ स्पेगेटी पहनी हुई नजर आ रही हैं। जिसके साथ उन्होंने डेनिम शॉर्ट्स कैरी किए। उन्होंने अपने बालों में बन बनाया और अपने बाए हाथ में एक छोटा सा पर्स कैरी किया। अपने इस कैजुअल लुक में सुहाना खान साधारण और प्यारी लग रही हैं।

विक्की कौशल की इस मेगा बजट फिल्म के बंद होने की चर्चाओं से खलबली

देश की पौराणिक कथाओं के किसी किरदार को एक साइंस फिक्शन फिल्म के तौर करने की हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी कोशिश मानी जा रही फिल्म 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' के बंद हो जाने की खबरों से मुंबई फिल्म नगरी में शनिवार सुबह से ही हड़कंप मचा हुआ है। इस बारे में फिल्म के निर्माता रॉनी स्क्रूवाला की तरफ से तो अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन माना जा रहा है कि फिल्म के लगातार बढ़ते बजट और निर्देशक आदित्य धर के साथ फिल्म के रंग रूप को लेकर पटरी न बैठ पाने के

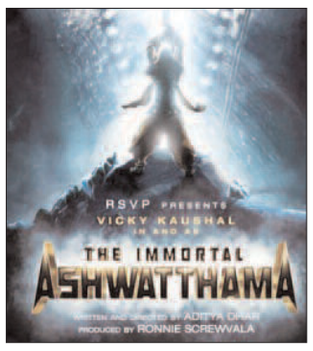

चलते फिल्म हाशिये पर चली गई है। इस फिल्म पर अब रॉनी स्क्रूवाला कथित रूप से करीब 30 करोड़ रुपये खर्च कर चुके हैं और अगर ये फिल्म वाकई बंद हुई तो उनकी ये सारी रकम बेकार हो जाने वाली है। फिल्म 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' के बंद होने की बड़ी वजह आदित्य धर का फिल्म को लेकर अपने स्तर से तमाम फैसले लेना माना जा रहा है। बताया जाता है कि फिल्म में सारा अली खान की एंट्री के बाद से ही मामला गड़बड़ाना शुरू हुआ। रॉनी स्क्रूवाला की कंपनी आरएसवीपी की इन दिनों फिल्मों की लाइन लगी हुई है, इन फिल्मों में 'कैप्टन इंडिया', 'सितारा', रश्मि रॉकेट, सैम मानेकशॉ, तेजस, पिप्पा, 'डिस्पैच', 'ककुड़ा' और 'मिशन मजनू' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्म 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' की प्लानिंग रॉनी ने आदित्य धर के साथ हिट फिल्म 'उरी' के साथ ही कर दी थी और इस फिल्म को एक पौराणिक काल्पनिक कथा के रूप में बनाने का फैसला दोनों ने मिलकर लिया था। उस समय फिल्म का जो बजट तय हुआ था, उसका बड़ा हिस्सा फिल्म के प्री प्रोडक्शन में ही खर्च हो चुका है जबकि फिल्म की शूटिंग अभी शुरू भी नहीं हुई है। सूत्र बताते हैं कि रॉनी स्क्रूवाला ने फिल्म की तैयारी पर अब तक हुए खर्च की शीट हाल ही में अपने पास मंगाई थी। इसे देखने के बाद ही वह चिंतित हुए और इस खर्च को लेकर उनकी फिल्म के निर्देशक और इसके कलाकारों से बात भी हुई। ट्रेड में चल रही चर्चा के मुताबिक फिल्म 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' के प्री प्रोडक्शन पर अब तक 30 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। रॉनी ने इसके बाद जो अंदाजा लगाया, उसमें फिल्म के पूरा होने तक का बजट उनकी उम्मीद से कई गुना ज्यादा निकला है।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने पैरालंपिक में रजत पदक जीतने पर भाविना को बधाई दी

आपने देश को गौरवांवित किया : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में रजत पदक विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल को बधाई दी है। राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, 'भाविना पटेल ने पैरालंपिक में रजत पदक जीतकर भारतीय दल और खेल प्रेमियों को प्रेरित किया है। आपकी असाधारण प्रतिबद्धता और कौशल ने भारत को गौरवांवित किया है। इस शानदार उपलब्धि पर आपको मेरी ओर से बधाई।'

वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाविनाबेन की उपलब्धि युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। मोदी ने ट्वीट किया, 'भाविना पटेल ने इतिहास रचा। उन्होंने एतिहासिक रजत पदक जीता है। इसके लिए उन्हें बधाई। जीवन में उनकी यात्रा प्रेरणादायी है और यह अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ेगी।'

प्रधानमंत्री ने भाविनाबेन से बात भी की और उन्हें इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने इस खिलाड़ी को भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं दी।

वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर भाविना को बधाई दी।

सीतारमन ने ट्विटर पर लिखा, 'पैरा टेबल टेनिस में रजत पदक जीतने के लिए भाविना पटेल को बधाई। आपकी दृढ़ता और सफलता कई लोगों के लिए प्रेरणा बनेगी।'

राहुल गांधी ने लिखा, 'रजत पदक जीतने के लिए भाविना पटेल को बधाई। भारत आपकी उपलब्धि की सराहना करता है। आपने देश को गौरवांवित किया है।'

वहीं भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने लिखा, 'रजत पदक जीतकर भाविना पटेल ने शानदार प्रदर्शन किया और तोक्यो 2020 पैरालंपिक में भारत का खाता खोला। कौशल और मानसिक दृढ़ता का शानदार प्रदर्शन। बेहद गर्व है।'

भारतीय पैरालंपिक समिति की मौजूद अध्यक्ष दीपा मलिक ने भाविनाबेन को बधाई देते हुए कहा, 'भाविना का प्रदर्शन देखना शानदार रहा, उन्होंने प्रतियोगिता में अपने खेल से विरोधियों को हैरान कर दिया।'

उन्होंने कहा, 'उसका खेल, कौशल, धैर्य, वापसी करना, एकाग्रता बनाए रखना, इसे बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं, यह विश्व स्तरीय है।'

चौथे टेस्ट में इशांत की जगह अश्विन को मिल सकता है अवसर : विराट

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ दो सितंबर से होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को मौका मिल सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने भी कहा है कि कहा है कि टीम में बदलाव किये जा सकते हैं। कोहली ने तेज गेंदबाजों के कार्यभार कम करने को ध्यान में रखते हुए चौथे टेस्ट मैच में बदलाव से इंकार नहीं किया। कप्तान ने कहा कि टीम में एक अतिरिक्त बल्लेबाज को रखने का कोई विचार नहीं है। भारत चौथे टेस्ट में इशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी में से कम से कम एक गेंदबाज को आराम दे सकता है।

कोहली ने कहा, 'ऐसा होना लगभग तय है क्योंकि यह समझदारी वाली बात होगी। हम गेंदबाजों पर इतना दबाव नहीं डालना चाहते कि वह घायल हो जाए।' उन्होंने कहा, 'हम उनसे साथ बातचीत करेंगे और आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि इतने कम समय में वे लगातार चार टेस्ट मैच खेले। इसलिए हम देखेंगे कि किसे 5वें टेस्ट मैच से पहले आराम की जरूरत है।' तीसरे टेस्ट की गेंदबाजी देखे तो इशांत को टीम से बाहर होना पड़ सकता है। कप्तान ने हालांकि अभी किसी का नाम नहीं लिया। कोहली से जब पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि इशांत को रन-अप से परेशानी हो रही है, तो उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान उनके रन-अप पर नहीं था क्योंकि मैं स्लिप में खड़ा था।' अगर इशांत चौथे टेस्ट से बाहर होते हैं तो उनकी जगह अश्विन को अवसर मिल सकता है। अश्विन को इंग्लैंड दौरे पर लगातार तीन टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठना पड़ा है। इस गेंदबाज ने हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में तीन विकेट लिए थे। वहीं काउंटी क्रिकेट में सरे की ओर से खेलते हुए 6 विकेट लिए थे।

खबर एक नजर

आत्मघाती हमले में दो अफगान खिलाड़ी भी मारे गये

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल हवाई अड्डे में हुए आत्मघाती हमले में मारे गए लोगों में राष्ट्रीय स्तर के दो अफगान एथलीट भी शामिल थे। इन हमलों में अब तक 170 से से अधिक लोग मारे गए हैं और 1338 लोग लोग घायल हुए हैं। मृतकों में राष्ट्रीय स्तर के दो अफगान खिलाड़ी ताइक्वांडो में मोहम्मद जान सुल्तानी और वुशु में इदरीस भी शामिल हैं। इससे पहले एक फुटबॉल खिलाड़ी की जहाज से गिरकर मौत हुई थी। गौरतलब है कि तालिबान के कब्जे के बाद अन्य लोगों के साथ ही कई खिलाड़ी भी देश से बाहर जाने के प्रयासों में लगे हैं। इससे पहले कई खिलाड़ी बचकर विदेश जाने में सफल भी रहे थे पर कई खिलाड़ी हादसों का भी शिकार हुए हैं। खिलाड़ियों को तालिबानी शासन में अपने भविष्य को लेकर डर बैठा हुआ है। इसी बीच आतंकियों ने यह धमाका कर दिया। काबुल हवाई अड्डे से बड़े स्तर पर लोगों के बाहर जाने को देखते हुए पहले ही यहां आतंकी हमले की आशंकाएं जतायी जा रहीं थीं। माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट का हाथ है।

सीपीएल में बारबडोस, सेंट किट्स एवं नेविस जीते

सेंट किट्स एवं नेविस, एजेंसी। बारबडोस रॉयल्स के अलावा सेंट किट्स एवं नेविस पेट्रॉयट्स ने भी कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) क्रिकेट में शानदार जीत दर्ज की है। बारबडोस रॉयल्स ने शाई होप और जॉनसन चार्ल्स की शानदार बल्लेबाज से जीत हासिल की है। होप और चार्ल्स ने पहले विकेट के लिए 20 गेंद में 32 रन बनाये। होप के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने 56 रन बनाये। रेमन रीफर ने भी नाबाद 31 रन बनाये। फिलिप्स ओर रीफर के बीच 79 रनों की साझेदारी हुई जिससे टीम ने पांच विकेट पर 161 रन बनाये। वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए तालावाह की टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही ओर और टीम ने पावर प्ले में ही चार विकेट खो दिए। कार्लोस ब्रेथवेट और समाराह बूक्स ने 66 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। रीफर ने हालांकि इसके बाद ब्रेथवेट और आंद्रे रसेल को एक ही ओवर में आउट करके टीम को समेट दिया। वहीं एक अन्य मैच में डोमीनिक ड्रेक्स के 26 रन पर दो विकेट और फवद अहमद के 33 रन पर दो विकेट से ग्याना की टीम आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी। हेमराज ने 39 जबकि मोहम्मद हफीज ने नाबाद 38 रन बनाए। इसके बाद एविन लुईस 62 और डेवोन थॉमस के नाबाद 55 रनों की सहायता से सेंट किट्स एवं नेविस ने 18.5 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बनाकर मैच जीत लिया।

सचिन ने भाविना को जीत पर बधाई देते हुए कहा, यह लाखों लोगों को प्रेरित करेगी

मुंबई, एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में रजत जीतने वाली टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इस प्रकार से मिली हर जीत लाखों लोगों को खेल के प्रति प्रेरित करेगी। भाविनाबेन को महिला एकल में चीन की झोउ यिंग के हाथों 3-0 से हार के साथ ही रजत पदक मिला है। तेंदुलकर ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भाविना को मिली जीत को सभी भारतीयों के लिए 'अद्भुत समाचार' बताया है। तेंदुलकर ने ट्वीट किया, राष्ट्रीय खेल दिवस पर सभी के लिए कितनी अच्छी खबर है। रजत पदक भाविना को बधाई। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। हम जो भी पदक जीतते हैं वह लाखों लोगों को खेल के लिए प्रेरित करता है। इससे भविष्य में और अधिक पदकों की उम्मीद बनती है। पैरालिंपिक में हमारी अच्छी शुरूआत। इससे पहले पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण और वसीम जाफर ने भी भाविना की तारीफ की थी।

लीवरपूल में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

भारतीय टीम की खराब बल्लेबाजी से नाराज हैं पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन से पूर्व कप्तान सुनील गावस्वर बेहद नाराज हैं। मैच के चौथे दिन भारत ने 215 रन पर 2 विकेट के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया पर पूरी टीम 278 रन पर ही आउट हो गयी। 63 रन के अंदर ही आखिरी 8 विकेट खो देने पर गावस्कर ने सवाल उठाये हैं। गावस्कर के अनुसार लॉर्ड्स में जीतने वाली टीम चौथे दिन एक घंटे के अंदर ही 8 विकेट खो दे यह समझ नहीं आ रहा।

गावस्कर ने कहा कि हमने लॉर्ड्स में शानदार मुकाबला देखा था। तब नंबर 8, 9 और उससे नीचे के बल्लेबाजों ने अच्छा खेल दिखाया था पर हेडिंग्ले में जैसे ही हमारा टॉप ऑर्डर नाकाम हुआ तो यह बात समझ आ गया कि अब टीम इंडिया के बाकी बल्लेबाज ज्यादा समय तक टिक नहीं पाएंगे पर हैरानी की बात है कि हमने 54 मिनट के भीतर ही आखिरी 7 विकेट खो दिए। मेरे लिए इस बात को स्वीकार करना बहुत कठिन है। इतना ही नहीं, उन्होंने अगले टेस्ट के लिए टीम इंडिया के प्लेइंग-11 में भी बदलाव की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऋषभ पंत ने सीरीज के तीनों टेस्ट में रन नहीं बनाए हैं और अब चौथे टेस्ट में उसे एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ उतरने पर विचार करना ही होगा। भारतीय टीम प्रबंधन को अपनी रणनीति में बदलाव लाना होगा। टीम इंडिया को अब 4 गेंदबाज और 7 बल्लेबाजों के साथ उतरना चाहिए. क्योंकि फिलहाल, भारतीय टीम की कमजोरी बल्लेबाजी है.

चौथे टेस्ट में जडेजा की जगह उतरेंगे अश्विन: हॉग

लंदन, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ब्रैड हॉग के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ दो सितंबर से शुरू हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम दो बदलावों के साथ उतरेगी। हॉग के अनुसार इस मैच में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की जगह पर स्पिनर आर अश्विन को उतारा जा सकता है। जब हॉग से एक यूजर ने पूछा कि क्या चौथे टेस्ट मैच में अश्विन और शार्दुल ठाकुर खेलेंगे तो हॉग ने कहा कि जडेजा घुटने की चोट के कारण चौथे टेस्ट मैच से बाहर रहेंगे। जडेजा के घुटने में दूसरे टेस्ट के दौरान चोट लग गयी थी। ऐसे में कप्तान विराट कोहली सहित टीम प्रबंधन चौथे टेस्ट के लिए उन्हें शामिल कर कोई खतरा नहीं उठाना चाहेंगे। ऐसे में अश्विन ही जडेजा की जगह पर उतरेंगे क्योंकि वह सातवें नंबर पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं जबकि शार्दुल आठवें नंबर पर आ सकते हैं। ये दोनों ही खिलाड़ी जडेजा की कमी को पूरा कर सकते हैं.। शार्दुल ज्यादा स्विंग भी कर सकते हैं जबकि अश्विन गेंद को टर्न और बाउंस करा देते हैं।

खेल मंत्री ठाकुर ने फिट इंडिया मोबाइल ऐप जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां 'फिट इंडिया' कार्यक्रम की दूसरी सालगिरह के अवसर पर 'फिट इंडिया' मोबाइल ऐप को लॉन्च किया है। ठाकुर ने कहा कि यह ऐप राष्ट्रीय खेल दिवस पर लोगों को सरकार की ओर से एक उपहार है। राष्ट्रीय खेल दिवस महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के रूप में मनाया जाता है। ठाकुर ने यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में कहा, 'फिट इंडिया ऐप हॉकी के जादूगर ध्यानचंद को एक विनम्र श्रद्धांजलि है।' इस कार्यक्रम में टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने भी भाग लिया।

खेल मंत्री ने कहा, 'खिलाड़ियों के फिट रहने के लिए ऐप बहुत जरूरी है और उनसे ऐप का सख्ती से पालन करने की उम्मीद की जाती है। यह नये, युवा भारत को फिट रखने का एक प्रयास है क्योंकि एक फिट युवा ही एक महान भारत बना सकता है।' वहीं मनप्रीत ने भी इस ऐप का समर्थन करते हुए कहा, 'हम फिटनेस को पर्याप्त महत्व नहीं देते। हमें फिटनेस के लिए एक दिन में अपने समय का सिर्फ आधा घंटा समर्पित करने की आवश्यकता है। यह ऐप मजेदार और मुफ्त है और इससे कोई भी कहीं भी अपनी फिटनेस का परीक्षण और निगरानी कर सकता है।' उन्होंने बताया, 'यह ऐप बहुत मददगार और उपयोग में आसान है। मैं पहले से ही इसका इस्तेमाल कर रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि यह मेरी फिटनेस को और बेहतर बनाने में मेरी सहायता करेगा।'

एक क्रिकेटर के संक्रमित पाये जाने के बाद काउंटी मैच हुआ रद्द

लंदन, एजेंसी। काउंटी टीम सरे के एक खिलाड़ी को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इससे काउंटी चैंपियनशिप के दूसरे चरण में डरहम के खिलाफ 30 अगस्त से 2 सितंबर के बीच खेला जाने वाला पहला मैच रद्द कर दिया गया है। इस बारे में इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान जारी कर कहा है कि सरे टीम के सदस्य खिलाड़ी के करीबी संपर्क में बने हुए थे। एमिरेट्स रिवरसाइड में डरहम और सरे के बीच एलवी इंशोरेंस काउंटी चैंपियनशिप मैच को सरे के एक सदस्य के कोविड-19 के लिए संक्रमित पाए जाने के बाद रोक दिया गया। वहीं इस मामले में उन सभी खिलाड़ियों को पृथकवास में भेज दिया गया है। जो इसके करीब थे।

जडेजा के घुटने का स्कैन हुआ, चौथे टेस्ट में अश्विन को मिला सकता है अवसर

लंदन, एजेंसी। टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में करारी हार के साथ ही एक और झटका लगा है। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा भी चोटिल हुए हैं। जडेजा को तीसरे टेस्ट के दौरान घुटने में चोट लग गयी थी जिसके स्कैन के लिए उन्हें लीड्स स्थित एक अस्पताल में ले जाया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दौरान जडेजा को घुटने में चोट लग गई थी। जडेजा को इंग्लैंड की पारी के दूसरे दिन फील्डिंग के दौरान यह चोट लगी थी। जडेजा ने अपने सोशल मीडिया के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर अपनी एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उन्होंने लिखा, 'रहने के लिए अच्छी जगह नहीं।' खबरों की मानें तो जडेजा की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है इसलि टीम प्रबंधन इसको लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। गौरतलब है कि हेडिंग्ले टेस्ट में भारत को पारी और 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने इसी के साथ ही 5 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

भारतीय टीम अब 30 अगस्त को लंदन के लिए रवाना होगी। स्कैन रिपोर्ट में यदि सब ठीक रहता है तो फिर जडेजा टीम के साथ ही जाएंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 2 सितंबर से द ओवल में खेला जाएगा। वहीं यह भी अटकलें हैं कि चौथे टेस्ट में अनुभवी स्पिनर आर रविचंद्रन अश्विन को जडेजा की जगह शामिल किया जा सकता है। जडेज इस सीरीज में अब तक अपनी गेंदबाजी से प्रभावित नहीं कर पाये हैं। वहीं अश्विन ने काउंटी मैच में अच्छी गेंदबाजी की भी। तीसरे टेस्ट में भी अश्विन को अवसर नहीं दिये जाने पर प्रशंसकों के साथ ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने भी सवाल उठाये थे।

विराट ने कहा दबाव के कारण तीसरा टेस्ट हारे

लीड्स, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दबाव के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। विराट के अनुसार टीम पर रनों का काफी दबाब था जिसका लाभ उठाते हुए इंग्लैंड ने अच्छी खासी बढ़त बना ली। भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में चौथे दिन लंच से पहले ही आठ विकेट पर 278 रन बनाकर आउट हो गयी थी। इस कारण उसे 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम पहली पारी में महज 78 रन ही बना सकी थी। इंग्लैंड ने फिर अपनी पहली पारी में 423 रन का स्कोर बनाकर 354 रन बड़ी बढ़त हासिल की। इंग्लैंड टीम इस प्रकार पांच मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी पर आ गयी है। कोहली ने कहा कि जब आप पहली पारी में 80 रनों के अंदर ही आउट हो जाते हो तो इसका अर्थ है कि यह स्कोरबोर्ड का दबाव होता है और इसके बाद विरोधी टीम इतना बड़ा स्कोर बना दे तो फिर हालात बिगड़ जाते हैं। भारतीय टीम ने तीसरे दिन दो विकेट पर 215 रन बनाये थे जिससे वह ठीक स्थिति में थी पर हमने कल मैच में बने रहने के लिये अच्छा खेल दिखाया था, हम जितना प्रयास कर सकते थे, हमने किया और अपने को मौका भी दिया।

वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड के गेंदबाजों ने अपने प्रदर्शन से हमारे बल्लेबाजों पर बदाव बना दिया था। पहली पारी का स्कोर काफी खराब रहा, यह इसी देश में हो सकता है। हमने सोचा कि पिच बल्लेबाजी के लिये अच्छी है पर कसी हुई गेंदबाजी ने गलतियां करने पर मजबूर कर दिया और दबाव बहुत ज्यादा था। जब आप रन नहीं बना रहे हो तो दबाव से उबरना बहुत मुश्किल होता है। इससे ही बल्लेबाजी ढ़ह गई।

मध्यक्रम के खिलाड़ियों के रन नहीं बना पाने के बारे में कोहली ने कहा कि गहराई, आप इस पर चर्चा कर सकते हो। शीर्ष क्रम को काफी रन बनाने चाहिए तभी निचला मध्यक्रम आगे बढ़ सकता है। हमने पहले दो मैचों में काफी अच्छा किया। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें आत्मविश्वास से भरा रहने की जरूरत है। यहां तक कि आस्ट्रेलिया में 36 रन पर सिमटने के बावजूद हमने वापसी की थी।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची पाक टीम , भारत तीसरे नंबर पर खिसका

दुबई, एजेंसी। इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबान इंग्लैंड के हाथों तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में हार का सीधा फायदा पाकिस्तान क्रिकेट टीम को हुआ है। पाकिस्तान टीम अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं जीत के बाद भी इंग्लैंड टीम अंतिम स्थान पर है। वेस्टइंडीज टीम दूसरे नंबर पर है। भारतीय टीम पहले स्थान से फिसलकर तीसरे पर आ गयी है जबकि इंग्लैंड सबसे नीचे चौथे नंबर पर है। यह विश्व विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा चक्र है, जिसमें कई टीमों का अभी सफर भी शुरू नहीं हुआ है।

इस बार आईसीसी ने पॉइंट्स सिस्टम में थोड़ा बदलाव किया है। इस बार मैच जीतने पर 12 अंक दिए जाएंगे। मैच टाई होने पर 6, ड्रॉ होने पर 4 और हारने पर कोई अंक नहीं मिलेगा। वहीं पर्सेंटेज ऑफ पॉइंट्स की बात करें तो जीतने पर 100, टाई पर 50, ड्रॉ रहने पर 33.33 और हारने पर कोई अंक नहीं मिलेगा। टीमों को पर्सेंटेज ऑफ पॉइंट्स के आधार पर तय किया जाएगा।